RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2018-2020

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 3 अंक : 11 | लखनऊ, बुधवार, 6 मई 2020 से 5 जून 2020 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

Contact :
For video Visit : https://www.youtube.com/user/mailmukesh123
Website : http://www.mukeshphotography.in
E-mail : mailmukesh123@gmail.com | **Mobile :** 9470385811 / 7004184921

YouTube चैनल के लिये QR कोड स्कैन करें।

सम्पादक की कलम से ...

प्रिय साथियों,

स्टूडियो न्यूज के मई 2020 अंक के साथ हम आपके समक्ष है। साथियो कोरोना वाइरस ने पूरी दुनिया को जैसे थाम दिया हो, सभी उद्योग धंधो को रोक दिया है। यह ऐसी महामारी है जिसने सभी लोगों पर अपना बहुत असर डाला है, आर्थिक दृष्टि से सभी लोग चाहे वो नौकरी पेशा हो, अपना व्यापार करने वाला हो या अन्य कोई कार्य करने वाला हो, सबकी कमर तोड़ दी है। ये कब तक चलेगा ये कहना अभी मुश्किल है। परन्तु ऐसे समय में परेशान नहीं होना है, ये वो समय है जब हम सर्वप्रथम अपने तथा अपने परिवार को सेफ रखे। वो कहावत है न कि "जान है तो जहान है"। अपना व्यापार, नौकरी तो दोबारा भी आ सकती है परन्तु जीवन नहीं।

वेडिंग फोटोग्राफर्स के लिये इस महामारी ने अस्तित्व का प्रश्न खड़ा कर दिया है। ज्यादा समय नहीं हुआ है जब वेडिंग फोटोग्राफर ने अपने आपको एनालॉग से डिजिटल मे कन्वर्ट किया था, उस समय भी बहुत से फोटोग्राफर्स पीछे छूट गए थे वेडिंग इंडस्ट्री ने डिजिटल के आने से नयी करवट ली थी। अभी ये सभंलने की कोशिश कर ही रही थी कि कोरोना वाइरस ने इसकी गति को थाम दिया। पिछले 4-5 सालो में वेडिंग फोटोग्राफर्स ने जितना पैसा अपने व्यापार में लगाया है उतना उसको कभी लगाने की जरूरत नहीं पड़ी। इस आस के साथ फोटोग्राफर साथियों ने सोचा की फोटोग्राफी इंडस्ट्री में रहना है तो नए आने वाले इक्विपमेंट को खरीदना पड़ेगा जिससे उनके व्यापार में बढ़ोतरी हो सके परंतु जैसे-जैसे समय बीता नए-नए इक्विपमेंट आते गए तथा वह उसमें पैसा इन्वेस्ट करता गया फलस्वरूप उसने जितना कमाया था उससे ज्यादा पैसा इन्वेस्ट कर दिया। वेडिंग फोटोग्राफर साथियो ने सोचा कि वेडिंग का स्वरूप बदल चुका है और जब उसके पास पूरा सिस्टम डेवलप हो जाएगा तो उसी हिसाब से वह अपने काम को आगे बढ़ा सकेगा परंतु ऐसा हो नहीं पाया। पहले जैसे एक स्टिल और एक वीडियो के द्वारा फोटोग्राफर साथी एक पूरी मैरिज को कवर कर लेते थे और पोस्ट प्रोडक्शन का काम भी जल्दी ही खत्म करके पार्टी को फाइनल एलबम व वीडियो डिलीवर कर देते थे। आज के समय में वह करना थोड़ा मुश्किल हो गया क्योंकि अब तीन या चार कैमरे से वीडियो शूट होता है दो या तीन कैमरे से स्टिल फोटो शूट होता है, वीडियो एडिट करके, फोटो एल्बम बना कर पार्टी को देने में टाइम लगता है क्योंकि इसमें पार्टी फोटो सेलेक्ट करने में बहुत समय लगाती है, जब तक वह फोटो सेलेक्ट करके नहीं देगी तब तक एल्बम नहीं बना पाते जिससे कहीं ना कहीं वेडिंग के फाइनल पेमेंट में देर होने लगी।

अभी फोटोग्राफर साथी इस परेशानी से जूझ ही रहे थे कि यह करोना वायरस के कारण लॉकडाउन की वजह से फोटोग्राफी पूर्ण रूप से बंद हो गई तथा आने वाले समय में जो सरकार की गाइडलाइन आ रही है उसके हिसाब से अधिकतम 50 व्यक्ति एक वैवाहिक समारोह में उपस्थित रह सकते हैं। तो अब यह सवाल उठता है कि वेडिंग फोटोग्राफर कैसे सर्वाइव करे। मित्रों जब कष्ट होता है तो उसका समाधान भी होता है और यह उम्मीद रखनी चाहिए कि जल्द ही इसका समाधान भी आएगा यह लॉकडाउन जल्दी खुलेगा, वैक्सीन आएगी और हम लोग जैसे पहले काम करते थे वैसे काम करेंगे। स्वरूप हो सकता है कि कुछ बदले उसको हमें समझना पड़ेगा आजकल कंपनियां इस लॉकडाउन पीरियड में ऑनलाइन क्लासेस चला रही है बहुत अच्छी बात है, फोटोग्राफर साथी भी इस खाली समय का सही इस्तेमाल कर पा रहे है परंतु कंपनियों को यह सोचना चाहिए कि फोटोग्राफरों के भविष्य को लेकर कुछ प्रोग्राम बनाएं उनको कुछ राहत दे जैसे वारंटी अगर कैमरे की खत्म हो रही है तो उसको एक्सटेंड करें कम से कम हर फोटोग्राफर को लॉकडाउन खुलने के बाद एक सर्विस उसको फ्री देने की कोशिश करें क्योंकि जिस कंपनी का वह कैमरा खरीदे हैं अल्टीमेटली वह आपका कस्टमर है और इस लॉकडाउन के समय में आप उसकी जितनी मदद करेंगे वह उनके लिए मदद साबित होगी तथा फोटोग्राफर और कंपनियों के बीच एक मजबूत सम्बन्ध स्थापित होगा।

साथियों हम लोगो ने हर जंग जीती है। चाहे वो टेक्नोलॉजी मे आये अभूतपूर्व बदलाव हो या रात दिन मेहनत करना हो। अपने आत्मविश्वास को बनाये रखें, आने वाला नया सवेरा नयी ऊर्जा ले कर आएगा, ये विश्वास रखिये। संगठित रहिये तथा अपने साथियों की मदद कीजिये। बहुत जल्द कोरोना वाइरस का समाधान आएगा और ये लॉकडाउन खुलेगा। सभी सरकार द्वारा दी गयी गाइडलाइन को अमल करें और घर पर रहें, सुरक्षित रहें।

सुरेंदर सिंह बिष्ट
सम्पादक

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

फोटोडियॉक्स का नया ईएफ से एल माउंटर देता है अपर्चर व इमेज स्टैबलाइजेशन सपोर्ट

नया ईएफ एल माउंट फ्यूजन अडैप्टर देता है पूरा ईएक्सआइएफ डेटा सपोर्ट, साथ ही कम्यूनिकेशन प्रोटोकॉल जिससे ऑटोफोकस सपोर्ट होता है, अपर्चर कंट्रोल व इमेज स्टैबलाइजेशन सपोर्ट लेंस।

कैमफी अपडेट में जुड़ा वायरलेस टेथरिंग सपोर्ट फूजीफिल्म के सबसे प्रसिद्ध कैमरों के लिए

यह अपडेट वायरलेस टेथरिंग सपोर्ट जोड़ेगा, इसके अलावा फूजीफिल्म एक्ट टी2, एक्स टी3, एक्स एच1, जीएफएक्स 50 आर, जीएफएक्स 505 व जीएफएक्स 100 के लिए और भी बहुत कुछ है।

पैनासॉनिक ने रिलीज किया माइनर 1.5 फर्मवेयर अपडेट अपने ल्यूमिक्स एस1, एस1आर मिररलेस कैमरे के लिए

माइनर अपडेट ने सीएफएक्सप्रेस टाइप बी सपोर्ट व नया 50पी/25पी वीडियो फ्रेम रेट ऑप्शन को जोड़ा।

सोनी ने रिलीज किया 2.00 फर्मवेयर अपडेट ए9 II मिररलेस कैमरे के लिए

फर्मवेयर ने अपडेट किया नया हाई फ्रीक्वेंसी फ्लिकर फंक्शन, जोड़ा नया चेहरा/आंखों का प्रियॉरिटी ऑटोफोकस फंक्शन व अन्य फीचर्स।

यॉन्गनाओ ने एलान किया नया 50 एमएम एफ 1.8 निफ्टी निफ्टी ऑटोफोकस लेंस एपीएस सी ई माउंट कैमरा के लिए

इस लेंस का अभी मूल्य निर्धारण नहीं हुआ है लेकिन सोनी की ए 6000 सीरीज कैमरा के लिए 50 एमएम लेंस सबसे सस्ता है।

एप्पल ने एलान किया नया आइफोन इएसई मॉडल 4.7 इंच डिस्प्ले, ए 13 चिप व पोर्ट्रेट मोड के साथ

एप्पल ने अपने आइफोन एसई मॉडल के बारे में बताया है। यह नया वर्जन आइफोन 8 से मिलता जुलता है और इसमें भी वैसा ही ग्लास ब्लैक डिजाइन है, सिंगल रियर कैमरा व यह पानी से बचाता है।

एप्सन ने अपने नए और बेहतर 13" श्योर कलर पी 700, 17" पी900 फोटो प्रिंटर के बारे में बताया

इस प्रिंटर के जोड़े में कॉम्पैक्ट डिजाइन, नया 4.3" टचस्क्रीन कंट्रोल पैनल और पहले से बेहतर व नई इंक है।

निकॉन ने रिलीज किया फर्मवेयर अपडेट अपने डी780 के लिए मेमोरी कार्ड एरर को ठीक करने के लिए

यह एक छोटा फर्मवेयर अपडेट है, लेकिन महत्वपूर्ण समस्या को ठीक करता है जो कि कुछ एसडी मेमोरी कार्ड में शूटिंग करते समय एरर हो सकते हैं।

कैमरा स्ट्रैप निर्माता लकी लेकर आएं हैं नया क्विक रिलीज सिस्टम

क्विक रिलीज सिस्टम जब जरूरत न हो तब पट्टा निकालना आसान बनाता है। जैसे कि जब आप ट्राइपॉड अथवा मोनोपॉड पर शूट कर रहे हैं।

कैनन इंडिया दे रहा है फ्री ऑनलाइन मास्टरक्लास

कैनन की मास्टरक्लास वेबिनार फोटोग्राफी के शौकीनों, प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स व फोटोग्राफी के छात्रों के लिए है और फोटोग्राफी के कई आयाम जैसे कि फिल्म मेकिंग, एडिटिंग व पोस्ट प्रोडक्शन को कवर करता है।

टेक्नो ने लॉकडाउन के समय स्मार्टफोन फोटोग्राफी में थोड़ा रचनात्मक होने की अपील की है

बॉटल ओपनर्स डिजिटल सॉल्यूशन के कैंपन के द्वारा घर पर रहें, फोटोग्राफी के साधारण तरीकों के साथ "घर पर रहें, रचनात्मक रहें" (stay home] stay creative) की अपील की जा रही है।

कोविड 19 लॉकडाउनः निकॉन भारत दे रहा है फ्री ऑनलाइन फोटोग्राफी कक्षाएं

निकॉन ने बताया कि वह इस माह के अंत तक फोटोग्राफी की फ्री ऑनलाइन क्लासेस देगा। कंपनी ने अवॉर्ड विजेता रघु राय को इसके लिए जोड़ा है और साथ में कई ख्याति प्राप्त फोटोग्राफर्स को भी जो लोगों को लॉकडाउन में फोटोग्राफी की नई कला सिखाएंगे व प्रेरित करेंगे। क्लासेस विभिन्न थीम व विषय पर केंद्रित होगी जिसमें शादी, वाइल्डलाइफ, इफेक्ट ऑफ फोकल लेंथ, इंटीरियर व आर्किटेक्चर, स्ट्रीट, पोर्ट्रेट, खाना इत्यादि फोटोग्राफी शामिल हैं।

सीआइपीए का नया अंक बताता है कि सेल्स मार्च में आधी हो गई है

सीआइपीए के द्वारा रिलीज हुई हाल की फिगर बताती है कि कैमरा व्यापार के लिए लॉकडाउन काफी बुरा रहा है, पूरे विश्व में इसकी बिक्री करीब आधी हो गई है। डीएसएलआर की हालत मिररलेस मॉडल से भी बुरी है व लेंस थोड़ा सा बेहतर स्थिति में हैं।

डीजेआइ ने बताया मेविक एयर के बारे में जो कि है 24के/60 पी कैप्चर, एक्टिव ट्रैक 3.0 व अन्य फीचर के साथ

4के/60पी कैप्चर के अलावा मेविक एयर 2 4के/30पी पर व डोल आउट 1080 पी स्लो मो वीडियो 240 एफपीएस तक एचडीआर वीडियो रिकॉर्ड कर सकता है। बैट्री लाइफ को भी बेहतर बनाया गया है 34 मिनट फ्लाइट टाइम के साथ।

ओमनीविजन ने लॉन्च किया ओवी 64बी, 64एमपी स्मार्टफोन सेंसर 0.7 माइक्रॉन पिक्सल के साथ

ओवी64बी में 64एमपी स्टिल को व 8 के वीडियो 30 एफपीएस पर तथा 4के वीडियो 60 एफपीएस तक कैप्चर करने की क्षमता है।

लेक्सर ने रिलीज किया नया प्रोफेशनल 3 इन 1 व कंम्पैक्ट 2 इन 1 कार्ड रीडर

नया 3 इन 1 कार्ड रीडर में है एसडी, माइक्रो एसडी और कंपैक्ट फ्लैश कार्ड स्लॉट, जबकि नए 2 इन 1 रीडर देता है एसडी व माइक्रो एसडी मेमोरी कार्ड के लिए दो स्लॉट।

डिस्प्ले पोर्ट 2.0 "ऑल्ट मोड" की वजह से यूएसबी4 16के 60 एफपीएस तक पावर डिस्पले करेगा

अगले साल हम ऐसी पहले उपकरण देखेंगे जो कि यूएसबी सी पोर्ट से डिस्प्ले पोर्ट 2.0 चला सकेगा, इस पोर्ट में बाहरी एसेसरी को पावर करने की क्षमता होगी और साथ में अधिक रिज्यॉल्यूशन मॉनिटर व डिस्प्ले को भी चला सकेगा।

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 3 अंक : 11 | लखनऊ, बुधवार, 6 मई 2020 से 5 जून 2020 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

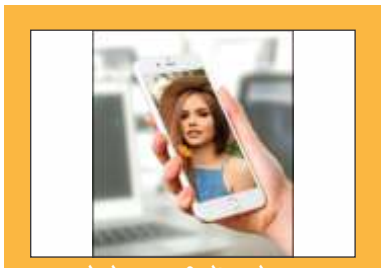

फोटोशाप सीखें - पेज 4

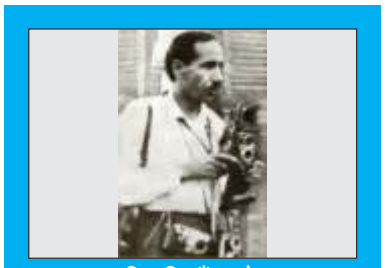

महान विभूतियाँ - पेज 6-7

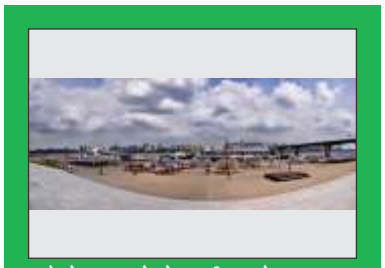

पैनोरमा फोटोग्राफी - पेज 8-9

लॉकडाउन में फूड फोटोग्राफी - पेज 12

मोटीवेटेड लाइट - पेज 14

Panasonic AG-CX8 / AG-CX7

पैनासोनिक 4K 60p लाइव स्ट्रीमिंग वीडियो कैमरा

सटीक शूटिंग के लिए ऑप्टिकल प्रदर्शन

1/2.5- टाइप (1/2.5-इंच) सेंसर

रीडआउट स्पीड बढ़ाने से 4K डेटा लार्ज वॉल्यूम को 60 fps पर हैंडल करना संभव हो सका है। कई बार मूविंग सब्जेक्ट की शूटिंग के दौरान उत्पन्न होने वाले रोलिंग शटर डिस्टॉर्शन को दबाता है।

LEICA डाइकोमार लेंस

तेज प्रदर्शन करने वाला यह लेंस लीका कैमरा AG के रिज्यॉल्यूशन व कंट्रास्ट के कई आयाम के लिए कड़े निरीक्षण को पास कर चुका है। शार्प व क्रिस्प इमेज देने के अलावा यह विशिष्ट बारीकियां व सूक्ष्म शेडिंग देता है और इन्हीं खासियतों के लिए यह जाना जाता है।

वाइड 25एमएम व ऑप्टिकल 24× जूम लेंस

लेंस 25mm वाइड एंगल से 600mm एमएम टेली तक रेंज कवर कर लेता है 24× जूम 4ड्राइव लेंस के साथ।

4K हाई प्रेसिजन AF

60 fps रीडआउट के साथ इमेज सेंसर व सटीक फोकस लेंस सुपीरियर फोकस स्पीड, स्टेबिलिटी व ट्रैकिंग प्रदर्शन 4K व FHD के लिए सुनिश्चित करते हैं।

रंग का इस्तेमाल करते हुए AF/AE

फेस डिटेक्शन सब्जेक्ट ऑन साइट कैप्चर करता है जो कि बिना आउट ऑफ फोकस व कम एक्सपोजर के हों। कलर पहचानने के फीचर के साथ सब्जेक्ट ट्रैक यानि चेहरा किसी अन्य ओर मुड़ता है तो भी बिना किसी रूकावट ट्रैक करना आसान हो जाता है।

ND फिल्टर

ND फिल्टर लेंस में ही होते हैं और इनका काम होता है किसी भी घटनात्मक रोशनी को कम करना। फिल्टर को शूटिंग के वातावरण के मुताबिक मिलाया जाता है (1/4, 1/16, 1/64, या ऑफ)। यह सुविधाजनक है, उदाहरण के लिए जब आप दोपहर में कम शटर स्पीड पर शूट करते हैं। अपर्चर खोलते समय, आप हाई रिज्यॉल्यूशन व कम फील्ड की गहराई प्राप्त कर सकते हैं।

गर्माई को फैलाने का डिजाइन

एक पतला छोटा पंखा गर्माई को कैमकॉर्डर तक इंटिग्रेटेड लेंस व 4K 60p रिकॉर्डिंग के साथ फैलाता है। यह इंडस्ट्री का सबसे छोटा और हल्का यूनिट है जो कि बेहद कम पावर लेता है।

प्रो डिमांड को सपोर्ट करते डिजाइन

3.5-इंच एलसीडी टच ऑपरेशन के साथ

लगभग 2760-k डॉट एलसीडी मॉनिटर के पास RGB पिक्सल ढांचा है तेज रोशनी में कार्य करने के लिए, और एक इलेक्ट्रोस्टैटिक टच पैनल आसान मेन्यू चुनाव के लिए।

सेल्फी-शूटिंग मोड

टच पैनल पर ऑपरेशन आइकन तब भी दिखते हैं जब आप एलसीडी मॉनिटर को 180 डिग्री में घुमाते हैं, तो आप व्यू की दिशा में चेहरे के भाव सुनिश्चित करते हुए शूट कर सकते हैं।

दो मैनुअल रिंग

दो मैनुअल रिंग दी गई हैं, एक फोकस और दूसरी जूम के लिए। फ्रंट व रियर में अलग अलग साइज की रिंग प्रयोग करने से मैनुअल रिंग का इस्तेमाल बेहतर होता है।

दोहरा एसडी कार्ड स्लॉट

दो एसडी कार्ड स्लॉट उपलब्ध हैं। केवल एसडी कार्ड बदलने से अनगिनत रिले रिकॉर्डिंग व उच्च रिकॉर्डिंग विश्वसनीयता के लिए विभिन्न रिकॉर्डिंग सिस्टम का प्रयोग संभव है।

बहुमुखी रिकॉर्डिंग मोड के साथ उच्च गुणवत्ता की रिकॉर्डिंग

वीनस इंजन

वीनस इंजन, जिसमें है ल्यूमिक्स के साथ तकनीकें, अभी हाल ही में इन कैमकॉडर में शामिल किया गया है। यह 4:2:2 10-बिट इंटर्नल रिकॉर्डिंग अधिकतम 29.97p UHD में, व अधिकतम 59.94p FHD में करने में सक्षम है।

यह 4:2:2 10-बिट इंटर्नल रिकॉर्डिंग/ HDMI आउटपुट

रिकॉर्ड करता है 4:2:2 10-बिट रंगीन प्रोफाइल जीओपी यूएचडी 29.97पी/25पी तक या एफएचडी 59.94पी/50पी एसडी कार्ड के साथ। 10-बिट रिकॉर्डिंग पर सेट करने पर कैमकॉर्डर 4के 60पी 4:2:2 10-बिट एचडीएमआइ आउटपुट देता है, जिससे हाई क्वालिटी इमेज कैप्चर होती है बाहरी रिकॉर्डर के साथ।

मल्टी फॉर्मेट सपोर्टर

बहुमुखी फॉर्मेट व बिट रेट उपलब्ध हैं। इसके अलावा एडिट करने में आसान एमओवी व एमपी4, 720पी एएवीसीएचडी 8एमबीपीएस (पीएम) मोड भी शामिल है।

स्लो-मोशन रिकॉर्डिंग

एफएचडी मोड में स्लो मोशन रिकॉर्डिंग 120 एफपीएस (59.94 Hz के लिए)/ 100 एफपीएस (50 Hz के लिए) संभव है। 10-बिट रिकॉर्डिंग सपोर्ट करता है व फुल-फ्रेम इमेज मिलती है जिसमें इमेज का क्षेत्र क्रॉप नहीं होता हाई फ्रेम रेट पर भी। बेहद स्लो मोशन रिकॉर्डिंग पर भी ऑटो फोकस का प्रयोग किया जा सकता है।

सॉफ्ट स्किन

स्किन का रंग सॉफ्ट व सुंदर दिखाता है। खासतौर पर तब जब व्यक्ति को नजदीक से रिकॉर्ड किया जा रहा हो।

सीन फाइल

पिक्चर क्वालिटी सेटिंग के साथ छह फाइल हैं सीन फाइल्स (स्टैंडर्ड, फ्लोरेसेंट लाइट में शूटिंग, स्पार्क, स्टिल लाइक, सिने लाइक कंट्रास्ट व सिने लाइक डायनामिक रेंज)। आप अपने मुताबिक कोई भी सेटिंग बदल सकते हैं और एक सेट को कैमकॉर्डर में बतौर कस्टम फाइल सेट कर सकते हैं।

उपयोगकर्ता के कार्यप्रणाली को बढ़ाते हुए बहुमुखी नेटवर्क फंक्शन

बिल्ट इन वाई-फाई

2.4-GHz वाई-फाई मोड बिल्ट इन है, इसलिए अलग से वायरलेस लैन मॉड्यूल खरीदने की आवश्यकता नहीं है। वाई-फाई कनेक्शन केवल मुख्य यूनिट से इस्तेमाल करने में संभव है।

टैबलेट व स्मार्टफोन से वायरलेस कंट्रोल

FHD लाइव स्ट्रीमिंग

RTSP/RTP/RTMP/RTMPS कंपैटिबल FHD स्ट्रीमिंग सीधा जुड़ाव देती है व आयोजन, खेल कार्यक्रम, व फेसबुक, यूट्यूब इत्यादि को न्यूज फ्लैश के लिए रीले का वितरण करती है। कैमरे के एसडी कार्ड में स्ट्रीमिंग, रिकॉर्डिंग भी संभव है।

बिल्ट इन एलईडी वीडियो लाइट

घर बैठे फोटोशॉप सीखें

राजेन्द्र प्रसाद
ARPS (LONDON), FICS (USA)
HON FSAP (INDIA), ASIIPC (INDIA)
डिजिटल इमेजिंग डिवीजन इंडिया इंटरनेशनल फोटोग्राफिक काउंसिल नई दिल्ली के अध्यक्ष
Blog - https://digicreation-blogspot-com/
You Tube : www.youtube.com/channel/UCZM4BH-m5bxnVetkWoyPoMQ

(भाग-8)

Polygonal Lasso Tool (पॉलीगन लासो टूल)

Polygonal Lasso Tool, Rectangular marquee tool और Standard lasso tool दोनों का मिलता-जुलता एक स्टैंडर्ड Selection टूल है। इसके द्वारा हम सीधी लाइनों से बने पॉलीगोनल शेप्स को आसानी से सेलेक्ट कर सकते हैं। Rectangular marquee tool से हम केवल चार किनारों के Polygons बना सकते हैं जबकि Polygonal Lasso Tool से हम जितने चाहे Sides ड्रॉ कर सकते हैं।

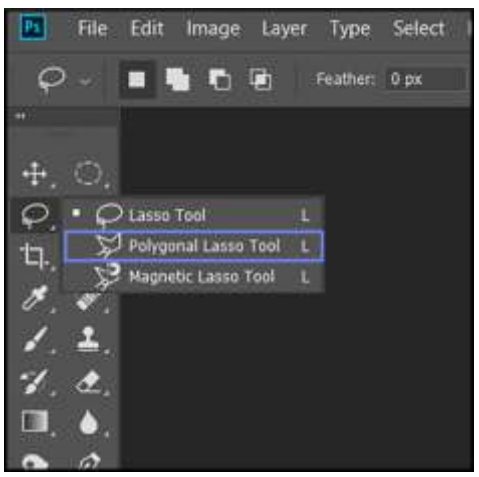

Lasso Tool के पैनल में तीन टूल्स होते हैं उनमें से दूसरा टूल Polygonal Lasso Tool है आज हम इस टूल से सेलेक्शन करना सीखेंगे। Lasso Tool के पैनल में Polygonal Lasso Tool चुन लें। वैसे Polygonal Lasso Tool का भी शॉर्टकट (L) है आप इस कीबोर्ड शॉर्टकट का उपयोग कर भी इस Tool को सेलेक्ट कर सकते हैं।

मान ले कि आपको एक Hexagon को सेलेक्ट करना है जैसा कि आप स्क्रीनशॉट में भी देख रहे हैं तो

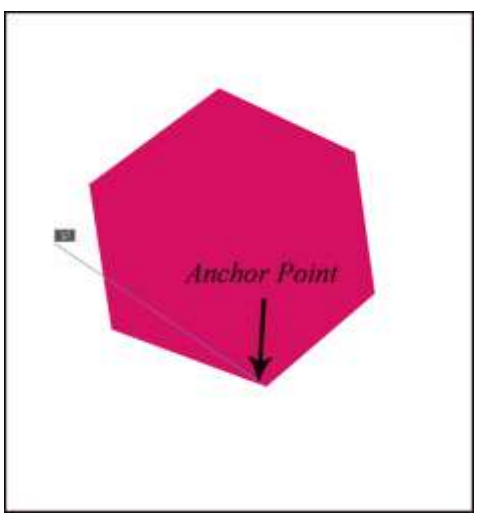

उसे पॉलीगोनल लासो टूल से सेलेक्ट करने के लिए जिस एरिया को सेलेक्ट करना है उसके एक किनारे पर क्लिक करें उसके बाद आप माउस बटन को छोड़ दें इससे एक पॉइंट बन जाता है जिसे Anchor या Fasting Point कहते हैं। जैसे ही आप Polygonal Lasso Tool को इस पॉइंट से दूर ले जाएंगे आपको एक पतला सीधा धागा आपके माउस और एंकर प्वाइंट के बीच दिखेगा इसकी तुलना आप मकड़ी के जाल के धागों से कर सकते हैं। अब दूसरे पॉइंट पर क्लिक करके माउस का बटन छोड़ दें अब आप देखेंगे कि एंकर पॉइंट और यह पॉइंट और इस पॉइंट के बीच एक सीधी लाइन बन गई है जो इनको जोड़ रही है।

इसी तरह हेक्सागोन के किसी दूसरे पॉइंट को क्लिक करें जहां लाइन का डायरेक्शन बदलना है Polygonal Lasso Tool को इस्तेमाल करते समय फोटोशॉप के अन्य सिलेक्शन टूल्स की तरह आपको माउस बटन को उस समय दाबे रहने की कोई जरूरत नहीं जब आप माउस एक पॉइंट से दूसरे पॉइंट तक ले जा रहे हो केवल उसे किसी Next Point पर क्लिक कर दें और माउस बटन छोड़ दें। अब अगले नेक्स्ट पॉइंट की तरफ बढ़े और उस पॉइंट पर क्लिक कर दें। जब आप हेक्सागोन के सब Points को सेलेक्ट कर लें तो सेलेक्शन को पूरा करने के लिए स्टार्टिंग पॉइंट जिसे एंकर पॉइंट भी कहते हैं तक माउस को ले जाए जैसे ही आप स्टार्टिंग पॉइंट के नजदीक अपने mouse को ले जाएंगे आपके कर्सर के नीचे दाहिनी तरफ एक छोटा सर्किल बना दिखाई देगा। यह इस बात को इंडिकेट करता है कि आप स्टार्टिंग पॉइंट तक पहुंच चुके हैं। अब आपका सिलेक्शन कंप्लीट हो गया है और आपके सेलेक्शन आउटलाइन पर आपको Marching ants दिखेंगे जो इस बात का संकेत है कि आपका सिलेक्शन पूरा हो गया है।

कभी-कभी ऐसा होता है कि आप सही पॉइंट पर क्लिक ना करके उसके अगल बगल में क्लिक कर देते हैं ऐसी गलती होने पर अब आपको फिर से शुरू से अपना सेलेक्शन स्टार्ट करने की जरूरत नहीं है। इस

अवस्था में अपने कीबोर्ड पर Backspace Key को दबा दें जिससे कि अंतिम सिलेक्शन पॉइंट रद्द हो जाएगा अगर आप फिर से backspace click करेंगे तो रिवर्स ऑर्डर में पॉइंट्स मिटते चले जाएंगे और उनके हटने के बाद आप फिर से क्लिक करके नया पॉइंट बना सकते हैं।

अब हम प्रैक्टिकल कर देखेंगे कि Polygonal Lasso Tool से कैसे काम किया जा सकता है। इसके लिए मैं एक मोबाइल की इमेज खोल रहा हूं जिसे आप

स्क्रीनशॉट में देख सकते हैं। अब हम सीखें कि इस मोबाइल स्क्रीन पर किसी दूसरे फोटो को हम कैसे पेस्ट कर सकते हैं। इसके पहले इस काम के लिए हमें पहले मोबाइल स्क्रीन को सेलेक्ट करना होगा। एक नजर में आप को ऐसा लग सकता है कि यह स्क्रीन तो रैक्टेंगुलर है इसलिए इसे तो रैक्टेंगुलर मार्की टूल की मदद से सेलेक्ट किया जा सकता है। आप एक कोशिश करके देखें रैक्टेंगुलर मार्की टूल से स्क्रीन को सेलेक्ट करें। मोबाइल स्क्रीन के टॉप लेफ्ट कॉर्नर पर क्लिक करें और फिर वहां से Diagonal drag कर Bottom right corner पर क्लिक कर दें आप पाएंगे कि मोबाइल हालांकि रैक्टेंगुलर है पर Perspective के कारण इसका shape Distort हो गया है इसलिए रैक्टेंगुलर मार्की टूल से इसे सिलेक्ट करना असंभव है।

अब CTRL+D बटन को दबाकर सिलेक्शन आउटलाइन को मिटा दें। इस बार हम मोबाइल स्क्रीन को Polygonal Lasso Tool से सिलेक्ट करने की कोशिश करते हैं। Polygonal lasso tool ले मोबाइल स्क्रीन के Upper left corner पर क्लिक कर दें उसके बाद माउस बटन को रिलीज कर दें इससे आपके सेलेक्शन का स्टार्टिंग प्वाइंट बन जाएगा। अब स्क्रीन के Top Right Corner पर क्लिक करके क्लिक करें आप देखेंगे कि फोटोशॉप खुद इन दोनों पॉइंट के बीच में एक सिलेक्शन लाइन बना देता है। अब मोबाइल स्क्रीन के Bottom right corner पर क्लिक करके तीसरा प्वाइंट क्रिएट करें और उसके बाद Bottom left corner पर क्लिक करके चौथा सिलेक्शन पॉइंट बना ले। अब आप Next पॉइंट को क्रिएट करने के पहले देखेंगे कि मोबाइल स्क्रीन पर दो Finger tips हैं जिन्हें Polygonal lasso tool सेलेक्ट नहीं कर सकता है।

अब ध्यान दें मैं आपको एक तरीका बतला रहा हूं जिसका इस्तेमाल आप इस हालत में कर सकते हैं। Finger tip के स्टार्टिंग पॉइंट पर क्लिक करके अगला पॉइंट बना ले अब ALT बटन को दबाकर रखें इससे आपका Polygonal lasso tool थोड़ी देर के लिए Standard Lasso Tool में बदल जाएगा। अब fingertip को Lasso tool से सेलेक्ट कर ले और मोबाइल स्क्रीन तक ट्रेस करने के बाद Alt बटन को छोड़ दें Standard Lasso Tool फिर से Polygonal lasso Tool में बदल जाएगा अब Next अंगुली के स्टार्टिंग पॉइंट तक Polygonal Lasso Tool से सेलेक्ट करें और फिर ALT दबाकर पहले की तरह Next Fingertip को Standard Lasso Tool से सेलेक्ट करें और स्क्रीन तक पहुंचने पर ALT बटन को छोड़ दे। अब सिलेक्शन कंप्लीट करने के लिए आपको केवल इनिशियल सिलेक्शन स्टार्टिंग पॉइंट पर क्लिक करना है जैसे ही माउस स्टार्टिंग पॉइंट तक पहुंचेगा आप देखेंगे कि माउस के नीचे दाहिनी तरफ एक छोटा Circle बन गया है। अब बस माउस से क्लिक करके अपना सिलेक्शन पूरा कर दें आपको मार्चिंग एंड दिखने लगेंगे जो इस बात का संकेत है कि स्क्रीन एरिया सिलेक्ट हो गया है।

अब मैं एक लड़की का फोटोग्राफ खोल रहा हूं जिसे इस सेलेक्शन के अंदर पेस्ट करना है। CTRL+A बटन को दबाएं इससे आपका पूरा इमेज ऑटोमेटिकली सेलेक्ट हो जाएगा। अब CTRL+C बटन को दबा दें जिससे आपकी इमेज क्लिप बोर्ड में कॉपी हो जाएगी। अब मोबाइल फोटो को डॉक्यूमेंट पर क्लिक करके फिर से उसे एक्टिव कर ले अब EDIT Menu को खोलें। यहां Paste Special पर क्लिक करें यहां आपको तीन ऑप्शंस मिलेंगे आप उन में से Paste Into कमांड पर क्लिक कर दें। आप देखेंगे कि स्क्रीन पर नई तस्वीर Paste हो गई है अब Move tool को ले और फोटो के पोजीशन को सही करें।

इस ट्यूटोरियल में आपने Polygonal Lasso Tool और Paste into कमांड के बारे में सीखा। अपनी तस्वीरों पर इसका उपयोग कर इस ट्यूटोरियल में बतलाई गई बातों की प्रैक्टिस करें अगले अंक में फिर आपसे मुलाकात होगी तब तक के लिए मुझे आज्ञा दें आपका दिन मंगलमय हो।

YouTube चैनल के लिये QR कोड स्कैन करें।

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 मई 2020 से 5 जून 2020

एक छवि का चित्रण सिर्फ कैमरा एक ओर ही नहीं अपितु दोनों ओर से होता है। - एडवर्ड स्टीकेन

महान विभूतियाँ

कुलवंत रॉय
(1914 - 1984)

कुलवंत रॉय

एक बेहतरीन फोटोजर्नलिस्ट थे कुलवंत रॉय। एसोसिएटिड प्रेस फोटोग्राफ नामक एजेंसी के मुखिया के तौर पर भारतीय आज़ादी अभियान व रिपब्लिक ऑफ इंडिया के शुरूआती सालों की बहुतेरी तस्वीरें उनके द्वारा खींची गयी थी। उनका जन्म पंजाब के लुधियाना जिले के गांव बाग्ली कलान में 1914 को हुआ। लाहौर में पले बढ़े कुलवंत रॉयल इंडियन एयर फोर्स से जुड़े, यहां उन्होंने एरियल फोटोग्राफी में महारथ हासिल की। आरआइएएफ के बाद वह 1940 में दिल्ली आ गए और यहां आकर अपना स्टूडियो बनाया जो कि बाद में बढ़कर एक संपूर्ण एजेंसी हो गई, यह पुरानी दिल्ली के मोरी गेट पर थी। पहले के कुछ वर्ष तक वह महात्मा गांधी के साथ भारत की यात्रा पर ट्रेन के थर्ड क्लास डिब्बे में सफर करते रहे; इस अनुभव ने उन्हें यह बोध कराया कि वह आज़ादी के कई ऐतिहासिक व महत्वपूर्ण आयोजन जिसमें जिन्नाह, नेहरू व पटेल की मौजूदगी होती है, को रिकॉर्ड कर सकते हैं।

उनकी ऐतिहासिक तस्वीरों में से एक है जिसमें जिन्नाह गांधी से उनके बंगले के बरामदे में बातचीत कर रहे हैं। एक और शानदार तस्वीर है जिसमें नेहरू व खान अब्दुल गफ्फार खान बतौर एआइसीसी प्रतिनिधि कैबिनेट मिशन के लिए जा रहे हैं जबकि साथ में पटेल एक रिक्शे पर यात्रा कर रहे हैं। गांधी को सुनते हुए नेहरू और पटेल की तस्वीर यादगार हो गई। अमृत बाज़ार पत्रिका से इसे बतौर साल की सर्वश्रेष्ठ न्यूज तस्वीर के लिए सिल्वर प्लाक मिला।

1947 में भारत को मिली आजादी के बाद रॉय ने नेहरू की तस्वीरें खींचना जारी रखा। नेहरू-गांधी के परिवार इत्यादि के तमाम फ्रेम। वह पहले ऐसे व्यक्ति थे जिसने 1950 में कश्मीर के अरमनाथ में तीर्थयात्रियों की यात्रा को कैप्चर किया।

1958 में वह अपना स्टूडियो पैक कर विश्व की सैर को निकल पड़े। तीन साल तक उन्होंने लगातार तस्वीरें खीचीं, 30 से अधिक देशों की यात्रा की और हर माह पिछले महीने के निगेटिव्स इंडिया में अपने ऑफिस भेजे।

1961 में जब वह वापस आए तो उन्होंने पाया कि उनके सारे पैकेज कभी ऑफिस पहुंचे ही नहीं, यानी चोरी हो चुके थे। यह उनके लिए बेहद भयावह था। वह सारे पोस्ट ऑफिस गए, यहां तक कि डस्टबिन भी खाली कर के देखे, कई सप्ताह उन्होंने दिल्ली के कूड़ेदानों में अपने निगेटिव्स तलाश करते हुए बिताए, पर वे कहीं नहीं थे।

Jacqueline Kennedy & Prime Minister Nehru (1962)

© Aditya Arya Archives

Mahatma Gandhi with Abdul Gaffar Khan

© Aditya Arya Archives

रॉय के लिए यह दिल टूटने वाली दर्दनाक घटना थी।

रॉय ने 60 के मध्य तक काम किया। जैकलीन कैनेडी की 1962 की यात्रा व भारत-पाकिस्तान की 1965 की जंग को भी डॉक्यूमेंट किया। जल्द ही युवा फोटोजर्नलिस्ट उभरने लगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेकर प्रभावकारी भाषण व महान लोगों को सुनना अब गुजरे ज़माने की बात होने लगा था। रॉय खुद को थका-हारा मानने लगे और जल्द ही शूटिंग करनी भी बंद कर दी।

कुछ वर्षों बाद उन्हें पता चला कि उनके शरीर को कैंसर जैसी भयावह बीमारी ने जकड़ रखा है और उनके पास अधिक समय नहीं है। रॉय ने इसके बाद उनकी खींची हुई तस्वीरें के डब्बे उठाकर अपनी लंबरेटा स्कूटर पर रखकर अपने भतीजे श्री आदित्य आर्या को दे दी।

कुलवंत राय जी की अद्भुत फोटो-डॉक्यूमेंटेशन कई सालों तक डब्बों में मशहूर एडवर्टाइजिंग फोटोग्राफर आदित्य आर्या के घर में 24 साल बंद रही। एक दिन आदित्य ने उसे खोला और पाया कि यह असल में तस्वीरों के रूप में आश्चर्यचकित कर देने वाला खजाना है। भारत की आजादी के आंदोलनों से लेकर व पहले की तस्वीरें अद्भुत थीं। पहले के वर्षों में कुलवंत रॉय भारत के फ्रीलांसर फोटोजर्नलिस्ट थे जिन्होंने मुख्य नेताओं की तस्वीरें अपने कैमरे में खूबसूरती से उतारी।

कहा जाता है कि भारत की आजादी के एक दशक बाद उन्होंने अपने बैग पैक किए और विश्व भ्रमण को निकल गए। उन्होंने अपनी तस्वीरें साथ लीं ताकि उन्हें बेच पाएं। यह तस्वीरें उन तस्वीरें से भिन्न थी जो उन्होंने बतौर फोटोजर्नलिस्ट कैप्चर की थीं।

इनमें तीर्थयात्रा, धार्मिक स्थालों, धार्मिक कार्यक्रमों और कश्मीर की वादियों की तस्वीरें थीं। यह बाद में कई अंतरराष्ट्रीय अखबारों में छपीं।

इस आमदनी से वह विश्व यात्रा भी कर पाए। कभी कैमरा खुद से दूर नहीं होने दिया रॉय ने। जब वह पर्याप्त तस्वीरें खींच लेते, तो वह उन्हें अपने दिल्ली के मोरी गेट स्थित दफ्तर में कूरियर कर देते।

एक अंतरराष्ट्रीय एजेंसी को उन्होंने अपनी काफी तस्वीरें बेचीं। एक दिलचस्प किस्सा है, जिन्नाह व गांधी की एक तस्वीर उनके भतीजे आदित्य आर्या को गेटी इमेज में मिली थी। जब आदित्य ने देखा कि श्रेय

Sardar Patel, Mahatma Gandhi & Pt. Nehru (1946)

© Aditya Arya Archives

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 मई 2020 से 5 जून 2020

किसी व्यक्ति की तस्वीर को ज्यों का त्यों उतार देना एक बात है और एक काबिल फोटोग्राफर उस व्यक्ति की आत्मा को भी उस तस्वीर में कैद कर सकता है। - पॉल कपोनिग्रो

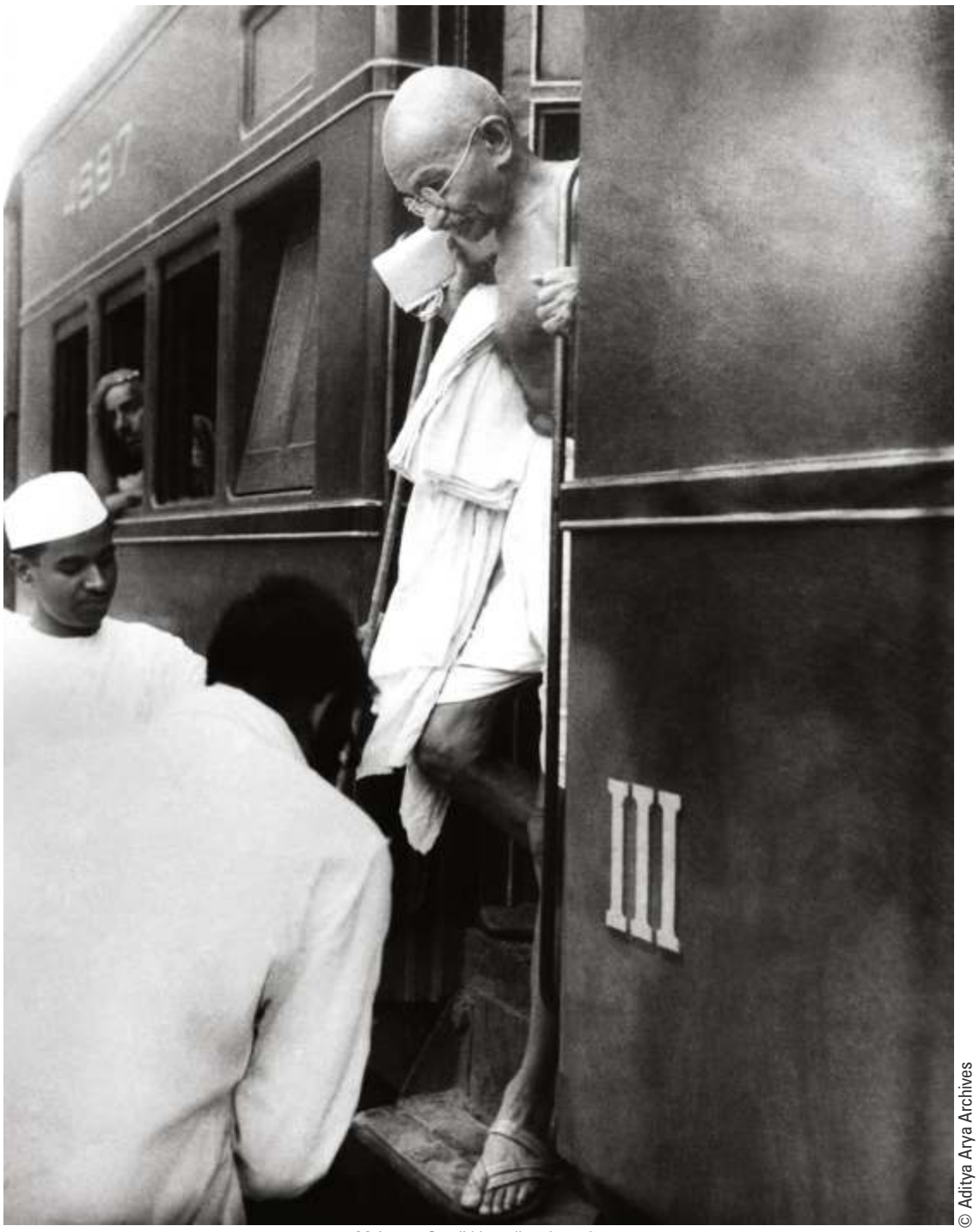

© Aditya Arya Archives

Mahatma Gandhi boarding the train

© Aditya Arya Archives

Pt. Jawaharlal Nehru with Pamela Mountbatten (1948)

की जगह पर अजनबी लिखा देखा तो उन्होंने गेटी इमेज में जानकारी दी। गेटी इमेज के एक संरक्षक मैक डोनाल्ड ने उन्हें कहा कि हम इस तस्वीर के लिए कुलवंत रॉय को क्रेडिट देकर बेहद प्रसन्न हैं।

आदित्य आर्या ने लिखा कि लोग उनका नाम जानें यह मेरे लिए उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि लोग उनकी तस्वीरों को पहचानते हैं। कई महान फोटोग्राफर की तस्वीरें बिना नाम के हैं, यह शायद लापरवाही के चलते है।

आगे वो कहते हैं, मुझे एक तस्वीर याद है पंडित नेहरू व महात्मा गांधी की आपस में बातें करते हुए, यह तस्वीर कई जगहों पर इस्तेमाल की गई है लेकिन इसके फोटोग्राफर **"मे डिस्फॉर"** का नाम कहीं नहीं आता। लखनऊ में भी निशातगंज पुल के बाद जो गांधी-नेहरू की मूर्ति प्रदर्शित है वो इसी फोटो को देखकर बनाई गई है, वहां भी कोई क्रेडिट फोटोग्राफर **"मे डिस्फॉर"** को नहीं दिया गया, यह अति दुर्भाग्यपूर्ण है।

कुछ ऐसी ही मिलती जुलती तस्वीर कुलवंत रॉय ने भी ली थी, फर्क बस इतना था कि उनके बीच में सरदार पटेल बैठे थे। राजमोहन गांधी, बायोग्राफर, पत्रकार व शांति दूत ने एक बार कहा था, "1940 की अभूतपूर्व तस्वीरें या तो मर चुकी हैं या दफन की जा चुकी हैं, लेकिन आदित्य आर्या ने उन्हें दोबारा जीवनदान दिया है। नतीजतन, हम छह दशक पहले के स्वर्णिम इतिहास में अपना योगदान दे चुके महान नर व नारियों की झलक देख सकते हैं, कुलवंत रॉय की तस्वीरों के माध्यम से।"

मैं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की बात से खत्म करना चाहूंगा, "कुलवंत रॉय की तस्वीरें इतिहास को नजदीक से देखने-समझने का जरिया हैं। हम उम्मीद करते हैं कि ऐसे ही अन्य तस्वीरें सामने लाई जाएं और उन्हें महत्ता दी जाए जैसा कि वह डिजर्व करती हैं।"

कुलवंत रॉय की मृत्यु 1884 में हुई, वह अंत तक काम करते रहे। कैंसर से लड़ते हुए अपनी मृत्यु के समय वह सातवें नॉन अलाइन्ड मूवमेंट कॉन्फ्रेंस की निगेटिव्स पर काम कर रहे थे। उन्होंने उनपर काम कर अपने भतीजे श्री आदित्य आर्या को सौंप दिया। आर्या ने वर्ष 2008 में नई दिल्ली के नेशनल गैलरी ऑफ मार्डन आर्ट में उन तस्वीरों को "हिस्ट्री इन द मेकिंग" नाम से प्रदर्शनी आयोजित की।

कुलवंत रॉय के बेहतरीन तस्वीरें व निगेटिव्स को डिजटलाइज कर श्री आदित्य आर्या ने सुरक्षित इंडिया फोटो आर्काइव फाउंडेशन में रखा है।

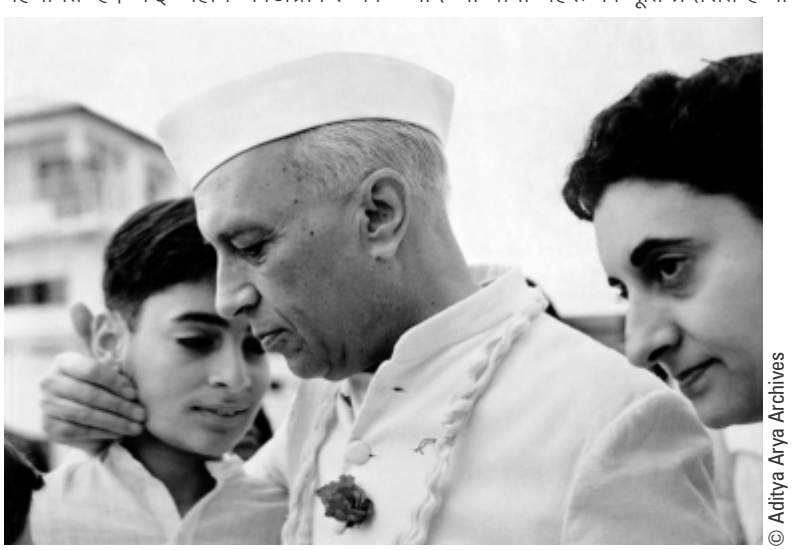

© Aditya Arya Archives

Jawaharlal Nehru with his grandson Rajiv and daughter Indira

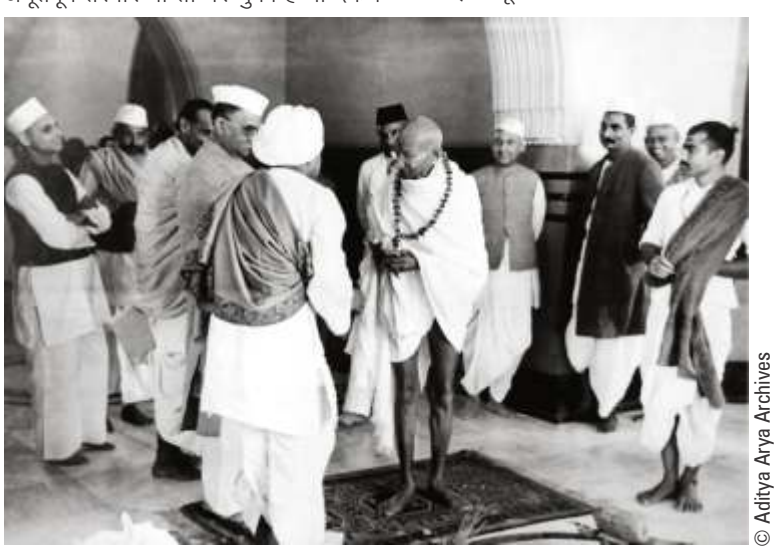

© Aditya Arya Archives

Mahatma Gandhi with other Indian National Congress leaders

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

पैनोरमा फोटोग्राफी

मुकेश श्रीवास्तव
FIE, FFIP, EFIAP

इंजीनियर, फोटोग्राफर, लेखक,
पूर्व निदेशक (ई), भारत सरकार
निदेशक, सेण्टर फॉर विजुअल आर्ट्स
निकॉन मेण्टर (2015-2017)
एवं अध्यक्ष, धनबाद कैमरा क्लब

Fig.1

Fig.2

फोटोग्राफी की एक तकनीक है पैनोरामिक फोटोग्राफी। कुछ खास उपकरणों व साफ्टवेयर के प्रयोग से इमेज लेटी हुई रेखा (हॉरिजॉन्टल) में पूरा नजारा कैप्चर होता है। इसे वाइड फॉर्मेट फोटोग्राफी भी कहा जाता है, यह उस तस्वीर के लिए भी कहा जाता है जिसे वाइड क्रॉप किया गया हो।

फील्ड ऑफ व्यू लगभग मानव आंखों की करीब 160 डिग्री या उससे ज्यादा की इमेज को पैनोरामिक कहा जा सकता है। इसका अर्थ है कि इसका अनुपात 2:1 या अधिक है, इमेज जितनी ऊंची है उसकी दुगनी वाइड होती है।

फोटो का अनुपात 4:1 या कभी 10:1 भी होता है, 360 डिग्री तक का व्यू कवर करते हुए। अनुपात और फील्ड का कवरेज दोनों ही एक अच्छी पैनोरामिक इमेज का निर्धारण कर सकते हैं।

पैनोरमा के प्रकार

यह हैं दो प्रकार की पैनोरामिक इमेजः

1. वाइड एंगल पैनोरामा- जो भी वाइड एंगल फोटोग्राफ लगे जिसमें 180 डिग्री से कम कवर किया गया हो, चाहे हॉरिजॉन्टल हो या वर्टिकल। वाइड एंगल पैनोरमा सामान्य इमेज जैसे लग सकते हैं, लेकिन वे कई इमेज से जुड़े होते हैं और उनका रिज्यॉल्यूशन भी अधिक होता है।

2. 180 डिग्री पैनोरमा- पैनोरमा जो कि बाएं से दाएं 180 डिग्री में कवर करते हैं। इस प्रकार के पैनोरमा वाइड दिखते हैं, बड़ा क्षेत्र कवर करते हैं।

3. 360 डिग्री पैनोरमा- पैनोरमा जो कि 360 डिग्री तक कवर करते हैं। यह पैनोरमा बेहद वाइड दिखते हैं और वे एक बेहद वृहद तस्वीर में पूरा नजारा कवर कर लेते हैं।

4. गोलाकार पैनोरमा- इन्हें प्लैनिट भी कहा जाता है। यह 360 डिग्री पैनोरामा है जो कि खास पोस्ट प्रोसेसिंग तकनीक के माध्यम से चौकोर गोलाकार इमेज में परिवर्तित की जाती है।

पैनोरमा फोटोग्राफी के लिए आवश्यक कैमरा उपकरणः

1. डिजिटल कैमरा - कोई डीएसएलआर या मिररलेस कैमरा। इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि वह फुल फ्रेम है या क्रॉप सेंसर कैमरा।

2. लेंस - आप पैनोरमा फिश आइ लेंस से पैनोरमा शूट कर सकते हैं, लेकिन आप डिस्टारशन व कनवर्जन महसूस कर सकते हैं। इमेज Fig.1 व Fig.2 देखिए।

दोनों को टोकिना 10-16 एमएम फिश आइ लेंस से कैप्चर किया जाता है। फिग 1 पनगॉन्ग झील का नजारा है और Fig.2 दक्षिण कोरिया के सिओल का दृश्य है।

3. मुझे पैनोरामिक फोटोग्राफी के लिए जूम लेंस सही लगते हैं। आप फिक्स व प्राइम लेंस से भी पैनोरमा क्लिक कर सकते हैं लेकिन जूम इन जूम आउट करने से आपको अधिक विकल्प मिलते हैं, खासतौर पर अलग परिस्थितियों में जहां सीमित मूवमेंट होते हैं। यदि आपके पास डीएसएलआर है तो निकॉन 18-55 एमएम, या निकॉन 18-200 एमएम जैसे कोई भी वाइड जूम लेंस सही से काम करने चाहिए। मैं अधिकतर पैनोरमा के लिए निकॉन 50 एमएम एफ/ 1.4 या सामान्य जूम लेंस 28-300 एमएम प्रयोग करता हूं, यह सीन की कैमरा से दूरी पर निर्भर करता है।

4. लेंस फिल्टर - मैं सुझाव देता हूं कि पैनोरमा शूट करते हुए लेंस से फिल्टर हटा लें। यूवी फिल्टर आप चालू रख सकते हैं। सर्कुलर पोलराइजर जरूर हटा लें यदि आपके लेंस में माउंट है तो, वरना यह आसमान को बिगाड़ देगा।

5. ट्राइपॉड - ट्राइपॉड वैकल्पिक है, लेकिन अच्छे नतीजों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इतना ध्यान रखें कि ट्राइपॉड का ऊपरी हिस्सा यानी सिर फ्लेक्सिबल हो ताकि आप दाएं-बाएं इसे मोड़ सकें। मैं मैनफ्रोटो 190× ट्राइपॉड का प्रयोग करता हूँ।

6. केबल रिलीज/वायरलेस ट्रिगर - वैकल्पिक है, लेकिन शेक फ्री इमेज यानी बिना हिली तस्वीर के लिए ठीक है।

7. पैनोरामिक सेटअप - गंभीर व प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स के लिए पैनो हेड प्रयोग करने ही सलाह दी जाती है।

कैमरा सेटिंग

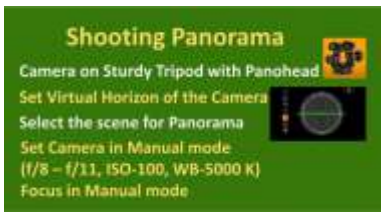

Fig. 2.1

- मैनुअल मोड में शूट करें
- अपने लेंस को मैनुअल फोकस पर सेट करें
- **आइएसओ-** ऑटो आइएसओ न प्रयोग करें, अन्यथा कैमरा शॉट के बीच का एक्सपोजर बदल देगा यदि लाइट बदली तो, इससे तस्वीर में अनचाहे बदलाव हो जाएंगे।
- सुनिश्चित करें कि ऑटो आइएसओ बंद है और अपने आइएसओ को कैमरा बेस आइएसओ पर सेट करें (100 या 200)
- **अपर्चर व शटर स्पीड-** अपने अपर्चर को कम से कम एफ/8, या एफ/11 पर सेट करें। सही अपर्चर सेट करने के बाद शटर स्पीड मीटर रीडिंग के अनुसार सेट करें।
- मीटरिंग-मैट्रिक्स व मूल्यांकन मीटरिंग को प्राथमिकता दी जाती है।
- लेंस फोकल लेंथ

Fig. 2.2

RAW में शूट- सर्वश्रेष्ठ नतीजों के लिए मैं हमेशा RAW में शूटिंग करने का सुझाव देता हूँ।

व्हाइट बैलेंस- RAW में शूटिंग करते समय अपना व्हाइट बैलेंस को ऑटो में सेट कीजिए और यदि आवश्यक हो तो बदल दीजिए।

शूटिंग की तकनीक

अपने कैमरा को ट्राइपॉड में ऐसे सेट कीजिए कि यह इसे अपनी सतह पर घुमाया जा सके। अपने सीन को ध्यानपूर्वक देखें और तय करें कि उस सीन का कितना हिस्सा आप लेना चाहते हैं। आप कैमरा वर्टिकल यानी खड़ी सिधाई में ले सकते हैं। फ्रेम के बीच में फोकस करें। इसके बाद अपना कैमरा सीन के एकदम बाईं ओर घुमाएं। शॉट लें। 50 फीसद को ओवरलैप करें पहले और दूसरे फ्रेम के बीच में (Fig. 4 व Fig. 4.1 देखें) दूसरा फ्रेम लें और सीन के अंतिम फ्रेम को लेने तक क्लिक करें।

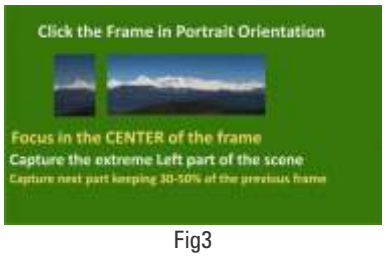

Fig3

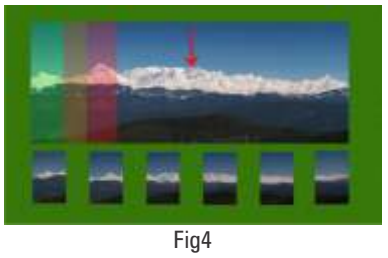

Fig4

उदाहरण के तौर पर मैंने तय किया Fig. 3 के

Fig. 4.1

Fig. 3.1

Fig. 3.2

Fig. 3.3

Fig. 3.4

Fig. 3.5

Fig. 3.6

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 मई 2020 से 5 जून 2020

तस्वीरों के साथ एक अच्छी बात ये है कि वे कभी नहीं बदलती, भले ही उन तस्वीरों में कैद लोग बदल जाएं। - एंडी वारहोल

सीन का पैनोरमा शूट करना और मैंने Fig. 3.1 से फिग 3.6 में जैसा दिखाया गया वैसे मैंने छह फ्रेम कैप्चर किया।

पोस्ट प्रोसेसिंगः

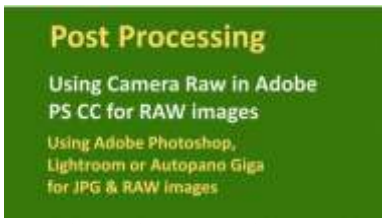

4.1 अडोब फोटोशॉप का प्रयोग करना

फोटोशॉप में पैनोरमा को जोड़ना अब बहुत आसान है। फोटोशॉप खोलिए, फाइल-ऑटोमेट-फोटोमर्ज पर जाइए, एक डायलॉग बॉक्स खुलेगा जो कि Fig. 5.1 की तरह होगा।

ब्राउज पर क्लिक कीजिए और पैनोरमा में मिलाने वाली तस्वीरों को सेलेक्ट कीजिए। सुनिश्चित कीजिए कि ब्लेंड इमेज टुगेदर व ज्योमेट्रिक डिस्टॉर्शन करेक्शन पर क्लिक हो। इसके बाद ओके क्लिक कीजिए। यह तस्वीरों को जोड़ने का काम शुरू कर देगा जो कि कभी-कभी कुछ अधिक समय ले लेता है लेकिन पूरी तरह यह तस्वीर की संख्या व उनके साइज पर निर्भर करता है। जब यह प्रकिया खत्म हो जाएगी तो बस आपको तस्वीर को क्रॉप करना है।

मैं यह प्रक्रिया इस्तेमाल करता हूं-

यदि आप RAW में शूट कर रहे हैं तो पोस्ट प्रोसेसिंग का सबसे अच्छा तरीका है अडोब फोटोशॉप सीसी का एडवांस फीचर इस्तेमाल करना। हम विस्तार में इसकी चर्चा करेंगे।

1. सभी RAW इमेज को चुनें, फोटोशॉप सीसी में लाकर ड्रॉप कर दें (ड्रैग व ड्रॉप)
2. सबसे उपर बाईं ओर पुल डाउन मेन्यू से सेलेक्ट ऑल क्लिक करें। इसके बाद मर्ज टू पैनोरमा क्लिक करें। तस्वीरें जुड़ने का काम शुरू हो जाएगा और आपको अगली विंडो Fig. 5.3 जैसी मिल जाएगी।

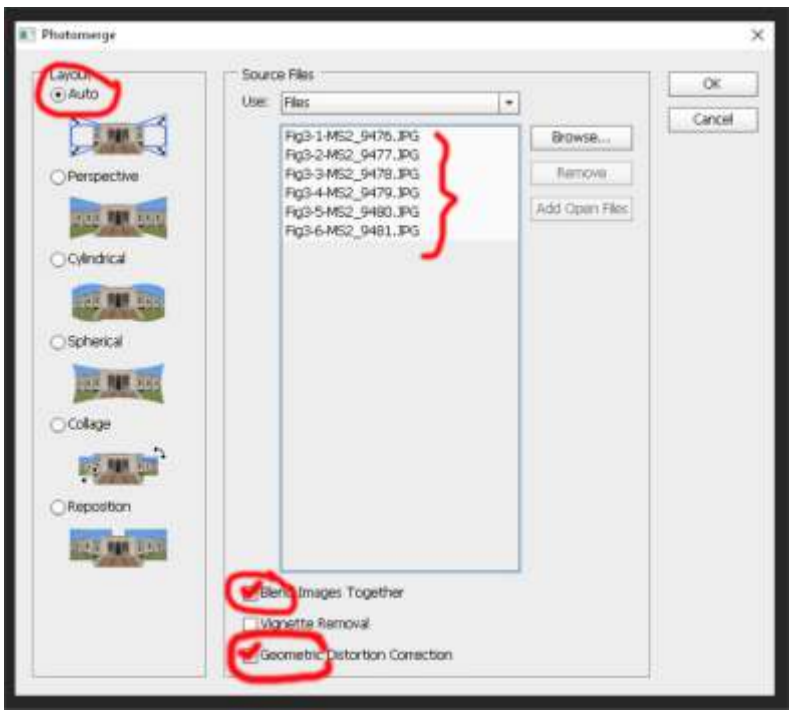

Fig. 5.1

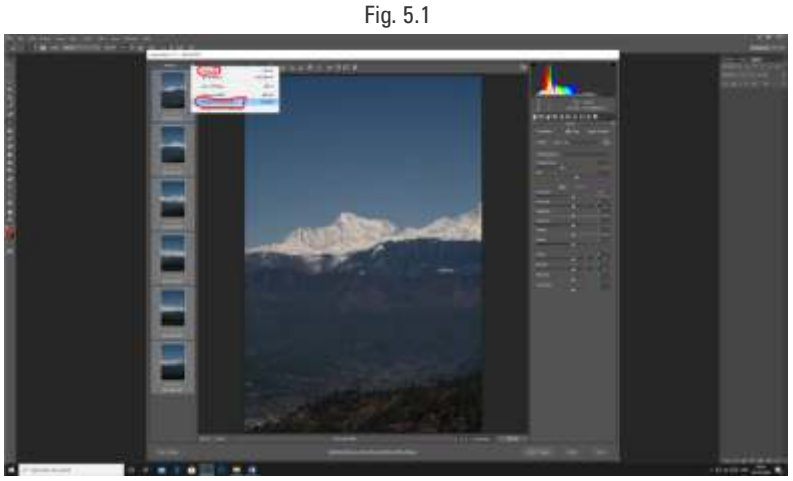

Fig. 5.2

3. प्रोजेक्शन में, आप खुद को परखने के लिए सभी विकल्प का प्रयोग कीजिए। लेकिन गोलाकार बेहतर है। आप अपनी बुनी हुई तस्वीर को ठीक करने के लिए बाउंड्री रैप को थोड़ा बदल सकते हैं।
4. अप्लाई ऑटो टोन व कलर एडजस्टमेंट दोनों को मार्क कर दीजिए। सॉफ्टवेयर इस प्रक्रिया को तेज व सटीक रूप से करेगा।

अंत में आप मर्ज पर क्लिक करिए और पैनोरमा बन चुकी इमेज को सेव कीजिए, ठीक वैसा ही जैसा तस्वीर 5.4 में दिखाया गया है।

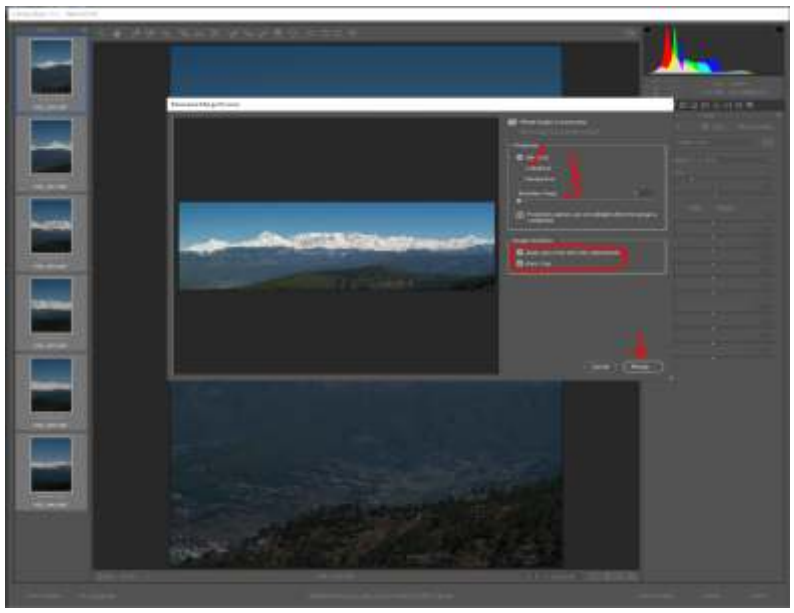

Fig. 5.3

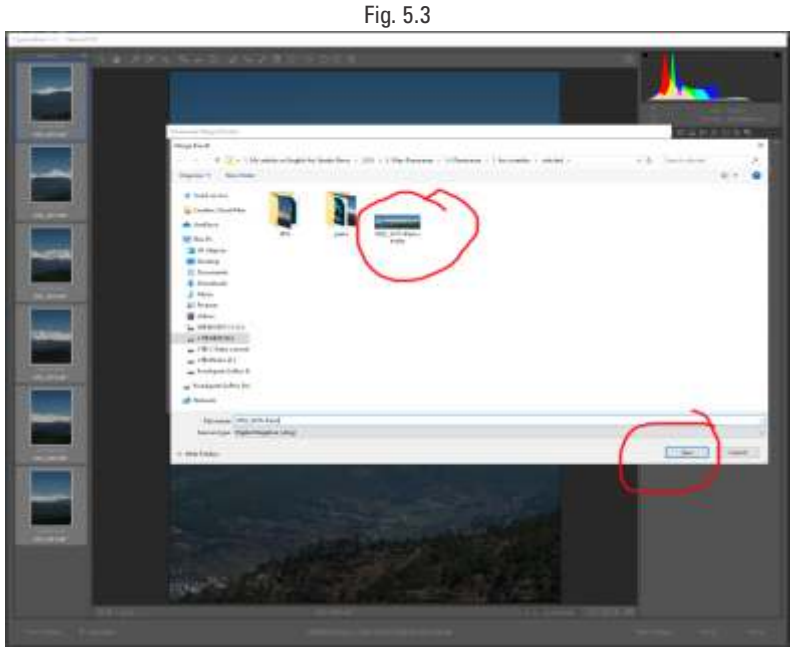

Fig. 5.4

इस आर्टिकल को **YouTube** चैनल पर देखने के लिए **QR** कोड स्कैन करें।
या **https://www.youtu.be/rUumeiqnauA** लिंक द्वारा भी देख सकते हैं।

अंतिम पैनोरमा : Fig. 5.5

यात्रा वृतांत व छाया चित्रण

स्टैचू ऑफ यूनिटी

विश्व की विशालतम प्रतिमा

कार पार्किंग स्थल से स्टैचू ऑफ यूनिटी का दृश्य

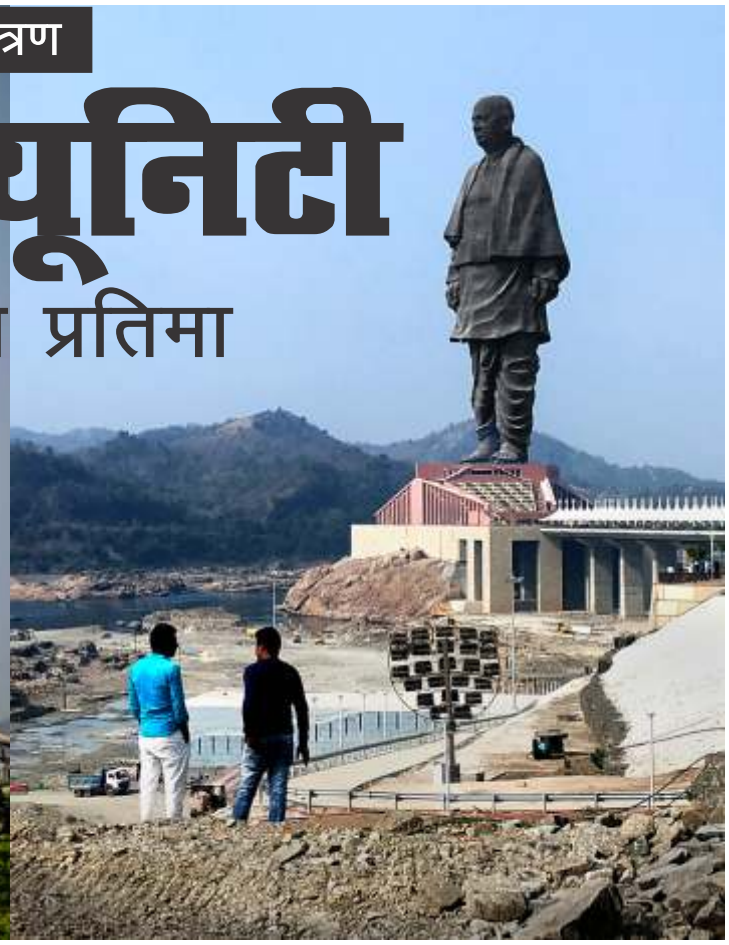

स्टैचू ऑफ यूनिटी का विहंगम दृश्य © Anil Risal Singh

मेरा बेटा और उसका परिवार अहमदाबाद में निवास करते हैं, इस वर्ष जब हमने उनके यहां जाने का विचार बनाया तो निश्चित किया कि "स्टैचू ऑफ यूनिटी" जरूर देखने जाएंगे। 7 जनवरी, 2020 को सुबह करीब 7 बजे हम अहमदाबाद से निकले और अहमदाबाद-बड़ौदा एक्सप्रेस वे होते हुए चार घंटे में सरदार सरोवर डैम पहुंचे, यहीं है "स्टैचू ऑफ यूनिटी"। स्टैचू ऑफ यूनिटी देखना अपने आप में एक अद्भुत अनुभव था। यह वाकई बेहतरीन है, यहां पर हर चीज़ लाजवाब थी, चाहे वह स्टैचू ऑफ यूनिटी हो, संग्रहालय हो या प्रथम तल की गैलरी। यहाँ आकर एक अभूतपूर्व गौरव की अनुभूति हुयी।

स्टैचू ऑफ यूनिटी, सरदार वल्लभ भाई पटेल, हमारे "लौह पुरूष" की विशाल प्रतिमा गुजरात में है। यह केवडिया कॉलोनी में नर्मदा नदी पर सरदार सरोवर डैम की ओर मुंह करती हुई है। बड़ौदा से 100 किमी और सूरत से 150 किमी दूर है। अहमदाबाद से स्टैचू ऑफ यूनिटी सड़क मार्ग द्वारा करीब 196 किमी है। यह विश्व का सबसे ऊंचा स्टैचू है जो कि 597 फीट यानी 182 मीटर ऊंची है।

श्री नरेंद्र मोदी ने इस प्रोजेक्ट को 7 अक्टूबर, 2013 को अपने गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के 10वें साल पर आयोजित

राम वी सुतार - मूर्ति के डिजाइनर

प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रारंभ करने की घोषणा की। उस वक्त इस प्रोजेक्ट को "राष्ट्र के लिए गुजरात का उपहार" नाम से पुकारा गया। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक अलग सोसाइटी सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय एकता समिति बनाई गई, ताकि कार्य सही दिशा में हो रहा है इस बात को सुनिश्चित किया जा सके।

भारत के नामचीन मूर्तिकार, पद्मभूषण राम वंजी सुतार ने भारत की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैचू ऑफ यूनिटी डिजाइन की, जिसकी ऊंचाई 182 मीटर है। इसका उद्घाटन सरदार पटेल की 143वीं जन्मतिथि 31 अक्टूबर, 2018 को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया और इसे सरदार पटेल को समर्पित किया। सरदार पटेल देश के पहले उप प्रधानमंत्री व ग्रह मंत्री थे, और 1947 के विभाजन के बाद देश की रियासतों को जोड़ने में उनकी अहम भूमिका थी।

पूरे भारतवर्ष में सरदार पटेल की प्रतिमाओं के बारे में देख पढ़ के इतिहासकारों, कलाकारों व शिक्षाविदों ने भारतीय मूर्तिकार राम वी सुतार द्वारा बनाए गए डिजाइन पर सहमति देने का मन बनाया। अहमदाबाद हवाई अड्डे पर सरदार पटेल की जो मूर्ति लगी है, ये स्टैचू ऑफ यूनिटी का छोटा रूप ही है। डिजाइन के बारे में बताते हुए राम वी सुतार के पुत्र अनिल सुतार कहते हैं कि सरदार पटेल की गरिमा, आत्मविश्वास व लौह संकल्प को स्पष्ट करने के लिए उसी प्रकार से भाव, मुद्रा इत्यादि हैं, सौम्यता भी साफ झलक रही है।

सिर ऊंचा है, कंधे व हाथों से होती हुई शॉल नीचे तक ऐसे जा रही है मानो अभी वह कदम भरेंगे। पहले 3 फीट, 18 फीट व 30 फीट के तीन मॉडल तैयार किए गए थे, जब सबसे बड़े मॉडल के डिजाइन में सहमति मिल गई तब विस्तृत 3डी स्कैन बनाया गया जो कि चाइना से ब्रांज क्लैडिंग करवाने का आधार बना।

यह प्रतिमा ऐसे बनाई गई है कि 180 किमी प्रति घंटा की रफ्तार की हवा का डट कर मुकाबला कर सकती है, 6.5 की गति के भूकंप जो कि 10 किमी की गहराई व प्रतिमा के 12 किमी के रेडियस से निपट सकती है। 250 टन स्पंज के कारण ऐसा संभव हो सका।

इस प्रोजेक्ट की शुरूआती रूपरेखा की चर्चा पहले 2010 में हुई परन्तु जनता के समक्ष घोषणा 2013 में गुजरात में उस समय के मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई। और अक्टूबर 2013 में एल एण्ड टी द्वारा निर्माण कार्य शुरू हुआ, इसके लिए उन्हें 2989 करोड़ का क्रॉन्ट्रैक्ट गुजरात सरकार द्वारा मिला।

प्रतिमा के निर्माण के लिए एक स्टैचू ऑफ यूनिटी अभियान भी शुरू किया गया। इस अभियान के बूते काफी लोहा एकत्र किया जा सका।

किसानों से अपने किसानी के फालतू व पुराने पड़े उपकरण मांगे गए। यह भी सुना जाता है कि 2016 तक कुल 135 मीट्रिक टन कबाड़ लोहा इकट्ठा कर लिया गया। 135 मीट्रिक टन में से 109 के करीब मूर्ति

सड़क के रास्ते काफी दूरी से ही स्टैचू ऑफ यूनिटी इस तरह से दिखाई देने लगती है।

© Anil Risal Singh

कुछ निर्माण कार्य अभी भी प्रगति पर है

© Anil Risal Singh

एक अन्य कोण से खींचा गया स्टैचू आर्फ यूनिटी का छायाचित्र

© Anil Risal Singh

स्टैचू ऑफ यूनिटी के प्रवेश द्वार से खींचा गया चित्र

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 मई 2020 से 5 जून 2020

मेरे विचार में फोटोग्राफी रात में चुपचाप, दबे पाँव रसोई में जाकर ओरियो कुकी खाने के समान है। - डायना अर्बुस

Pic by Internet

स्टैचू ऑफ यूनिटी के उद्घाटन के अवसर पर म्यूजियम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

© Anil Risal Singh

म्यूजियम का एक विहंगम दृश्य

की नींव रखने के लिए इस्तेमाल हो गया। विश्व की विशालतम स्टैचू ऑफ यूनिटी भारत का गौरव है और सरदार वल्लभ भाई पटेल के लिए श्रद्धांजलि, जिनके नेतृत्व के बिना भारत के 522 राज्यों को एकजुट किया जाना संभव नहीं था। उनका योदगान स्वर्णिम है।

भारत की सबसे बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी एल एंड टी 27 अक्टूबर 2013 को सबसे कम रकम 2989 करोड़ के साथ डिजाइन, निर्माण व मैंटेनेंस के लिए कॉन्ट्रैक्ट की बोली जीत गई।

31 अक्टूबर 2014 को निर्माण कार्य शुरू किया गया। पहले चरण में 1347 करोड़ मुख्य प्रतिमा के लिए लगाए गए, 235 करोड़ प्रदर्शनी हॉल व कन्वेंशन सेंटर के लिए व 83 करोड़ ब्रिज के लिए जो मेमोरियल को मुख्य जगह तक जोड़ता है तथा 67 करोड़ मूर्ति बन जाने के बाद 15 वर्षों तक मेंटिनेंस के लिए।

एल एंड टी के मुताबिक, कंपनी ने करीब 3000 कर्मचारी व 250 इंजीनियर प्रतिमा के निर्माण के लिए कार्यरत किए। स्टैचू की शुरूआत में 210000 क्यूबिक मीटर सीमेंट कॉन्क्रीट, 6000 टन स्ट्रक्चर स्टील व 18500 मोटी स्टील लगी। बाहरी हिस्से में 1700 टन ब्रॉन्ज़ प्लेट व 1850 टन ब्रॉन्ज़ बाहरी ओर लगाया गया जिसमें 565 मैक्रो व 600 माइक्रो पैनल भी हैं।

इस प्रतिमा की कुल ऊंचाई 240 मीटर यानी 790 फीट है, बेस 58 मीटर और स्टैचू 182 मीटर है। 182 मीटर ऊंचाई रखने का एक खास उद्देश्य था, यह वह नंबर है जितनी सीट गुजरात विभानसभा में हैं।

इसे पूरा बनने में 57 माह लगे, 15 माह प्लानिंग, 40 महीने निर्माण कार्य व 2 महीने हैंडलिंग में लगे। पूरा प्रोजेक्ट बिना किसी रूकावट आराम से हो जाए, इसके लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय एकता ट्रस्ट ने जिम्मेदारी ली।

गुजरात सरकार ने हर मुमकिन कदम उठाए कि स्टैचू ऑफ यूनिटी एक भव्य टूरिस्ट सेंटर बने। यह प्रतिमा न्यूयॉर्क की स्टैचू ऑफ लिबर्टी से आकार में दुगनी ऊंची है। स्टैचू ऑफ यूनिटी बड़े आराम से विदेशी व भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करती है। इसके इर्द गिर्द भी महत्वपूर्ण फीचर्स हैं। सतपुरा व विंध्यांच के खूबसूरत नजारों से घिरा हुआ व साथ में नर्मदा नदी प्रतिमा को और खूबसूरत बनाती है।

यहां बनी गैलरी भी खास आकर्षित करती है, इसकी क्षमता एक समय में 200 लोगों की है। यहां हाई स्पीड लिफ्ट भी हैं और 5000 लोगों को प्रति दिन गैलरी के अद्भुत नजारे तक ले जा सकती है।

स्टैचू ऑफ यूनिटी पांच ज़ोन में विभाजित है जिसमें से लोगों के लिए तीन को देखने की अनुमति है। नीचे से सरदार पटेल की मूर्ति की पिंडलियों तक पहला जोन है और इसके तीन स्तर हैं व एक प्रदर्शिनी क्षेत्र, मेजेनाइन व छत। जोन 1 में मेमोरियरल गार्डन व म्यूजियम आता है।

दूसरा जोन मूर्ति की जांघों तक जाता है व तीसरा गैलती तक 153 मीटर पर। जोन 4 मेंटिनेंस क्षेत्र है व अंतिम जोन प्रतिमा के सिर और कंधों तक है।

जोन 1 के संग्रहाल में सरदार पटेल के जीवन के कैटलॉग व योगदान हैं। साथ में ही जुड़ी ऑडियो विजुअल गैलरी 15 मिनट की प्रेजेंटेशन पटेल पर व साथ ही राज्य के ट्राइबल संस्कृति को भी बताती है। मूर्ति के पैरों में दो एलिवेटर हैं। लिफ्ट की क्षमता एक समय पर 26 लोगों की है, 30 सेकेंड में लिफ्ट व्यू गैलती तक पहुंचा देती है।

कई पर्यटक स्टैचू ऑफ यूनिटी के अलावा वैली ऑफ फ्लावर, सतपुरा व विंध्यांचल रेंज पर भी मोहित हो जाते हैं। गुजरात सरकार ने हाल ही में एक शानदार नेचर सैंक्चुरी खोली है, टेंट सिटी नर्मदा, यह प्रतिमा के मात्र 10 मिनट की दूरी पर है।

पब्लिक के लिए खोलने के बाद 1 नवंबर, 2018 को 11 दिनों में करीब 1,28,000 पर्यटक स्टैचू ऑफ यूनिटी का भ्रमण करने आए। करीब 1.9 मिलियन पर्यटक 9 महीनों में आए। यह उम्मीद की जा रही है कि इतनी ऊंची प्रतिमा से पर्यटन में करीब 15000 रोजगार में इजाफा होगा।

फिलहाल, कई प्रोजेक्ट पर विचार हो रहा है जो इस जगह को प्रसिद्ध पर्यटन केंद्र बना सकती हैं। शानदार चिड़ियाघर भी बनाने की बात चल रही है जो कि 1300 एकड़ में करीब सात स्तर पर सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम से मूर्ति के पास ही बनेगा। बोटिंग गतिविधियों को शुरू करने पर भी विचार चल रहा है।

टिकट का सामान्य मूल्य स्टैचू ऑफ यूनिटी व गैलरी देखने के लिये सामान्य टिकट 350 रूपया है। यह वैली ऑफ फ्लावर्स, ऑडियो विजुअल गैलरी, स्टैचू ऑफ यूनिटी के साइट, म्यूजियम, मेमोरियरल व सरदार सरोवर डैम में भी प्रवेश देता है, जिसमें बस की सुविधा भी शामिल है।

यह पूरे सप्ताह सुबह 9 बजे से शाम पांच बजे तक खुलता है, सामान्य तौर पर इसे घूमने के लिए चार से पांच घंटे लगते हैं। अक्टूबर से मार्च का मौसम सबसे उपयुक्त है यहाँ आने के लिये।

मेरा सुझाव है कि जो लोग गुजरात घूमने जाते हैं या जो लोग गुजरात में ही रहते हैं सभी को स्टैचू ऑफ यूनिटी को अवश्य देखना चाहिये, मुझे पूर्ण विश्वास है कि उन्हें अपने भारतीय होने का एक अभूतपूर्व गौरव का अनुभव अवश्य होगा।

म्यूजियम परिसर में खींची गई सेल्फी

© Abhijeet Risal Singh

© Anil Risal Singh

© Anil Risal Singh

म्यूजियम में प्रदर्शित सरदार पटेल से संबंधित प्रदर्शित एक्जीविट्स

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

लॉक डाउन में फूड फोटोग्राफी

स्मिता श्रीवास्तव
फूड स्टाइलिस्ट एडं फोटोग्राफर

कोरोना के इस विश्वव्यापी संकट के दौर में हम सभी अपने घरों में रहने को मजबूर हैं। इस दौरान हममें से बहुत से लोग न सिर्फ घर पे बने विविध व्यंजनों का स्वाद ले रहें हैं बल्कि उसकी तसवीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। तो आईये इस अंक में जाने की कैसे थोड़ी सी सूझ-बूझ ,स्टाइलिंग और उपयुक्त लाइट और एंगल्स का चयन करके हम अपनी फूड फोटोग्राफी को और भी बेहतर बना सकते हैं। कैसे साधारण से दिखने वाले होममेड फूड्स को प्रोफेशनल लुक देकर इन्हे अपने पोर्टफोलियो का हिस्सा बना कर भविष्य में ज़्यादा बिज़नेस पाने की उम्मीद भी कर सकते हैं।

पिछले अंको में आपने कैमरा एंगल्स, रंगो का चयन, लाइटिंग, कम्पोजीशन और स्टाइलिंग के बारे में विस्तार से पढ़ा, यह एक्स्ट्रा टाइम है उनपर ट्रायल और एक्सपेरिमेंट करने का। कुक्ड फूड के आलावा आप कच्चे फल सब्ज़ियों, अंडे, रेडीमेड फूड जैसे ब्रेड, बिस्कुट, नमकीन इत्यादि या फिर सिर्फ विभिन्न क्राकरी को रख कर भी शुरूआत कर सकते हैं।

फूड फोटोग्राफी में फूड के टेक्सचर और लुक को समझना बहुत ही महत्त्वपूर्ण है और उतना ही महत्त्वपूर्ण है अच्छी स्टाइलिंग के लिए यह जानना कि वो फूड कैसे बीहेव करता है अर्थात उसकी वह कौन सी क्वालिटी है जिसे देखते ही हमारी इन्द्रियाँ सक्रिय हो जाती हैं। एक अच्छी पिक्चर में प्रेजेंटेशन, सही रंगो का चयन और प्रॉप्स का काफी योगदान होता है।

यह कुछ पिक्चर्स उदहारण है कि घर में रहते हुए, बहुत ही साधारण से फूड आइटम्स से आप इस लॉक डाउन को कैसे प्रोडक्टिव बना सकते हैं।

अंडे और दूध

अंडे और दूध जैसी साधारण चीज़ को जीवंत बनाने के लिए उसमे क्रिएटिव एंगल जोड़ना बहुत ज़रूरी है। सुबह का समय और फार्म से उठाये हुए ताज़े अंडे का आभास देने के लिए बैक साइड (12 -2) लाइट, एक टूटा अंडा और छोटा सा पंख उसे सम्पूर्ण बना देते हैं।

फ्रेश फ्रूट जूस /मॉकटेल

पेय पदार्थो की पारदर्शिता के लिए बैक लाइट बहुत महत्वपूर्ण है। ग्रीष्म ऋतु के ठंडे पेय के लिए कूल कलर स्कीम, फैशनेबल मेसन जार और हरे रंग की स्ट्रॉ जहाँ उसे मॉडर्न लुक देती हैं वही साथ रखे हुए फल, बादाम और कुछ अलसी के दाने उसे हेल्थी टच।

फूड स्टोरीज

किराना स्टोर पर आसानी से मिलने वाली इन हार्ट आकर की कूकीज को फूड स्टोरी की तरह इस्तेमाल किया गया है। समुद्र जीव छपी हुई प्लेट, कुछ शंख, पट्टीदार कपडा और नाविक घड़ी समुद्री यात्रा / कहानी का अहसास देती हैं।

होमस्टाइल केक्स

यह केक्स सामान्यतः बेकरी केक्स की तरह बहुत ऊंची या क्रीम से सजी नहीं होती है। स्वाद से भरपूर इन केक्स को थोड़ा हाइट का आभास देने के लिए उल्टे रखे हुए कप या गिलास और एक प्लेट की मदद से आप खुद का केक स्टैंड बना कर उसपे रख सकते हैं। हलके रंग की फूलों वाली बैकग्राउंड, ऊपर पड़ी कुछ पिसि चीनी और अखरोठ के टुकड़े इस इंग्लिश स्टाइल समर केक को परिपूर्ण करते है।

रैप्स और रोल्स

किसी भी रैप्स और रोल्स में उसकी फिलिंग का बहुत महत्त्व होता है और इसी वजह से साइड लाइट का उपयोग करते हुए अंदर स्टफ्ड सब्ज़ियों को हाईलाइट किया गया है। शैलो डेप्थ ऑफ़ फील्ड और सॉफ्ट प्रॉप्स (पानी, नमक, काली मिर्च) बिना रोल से ध्यान हटाए पिक्चर को संपूर्ण आहार का लुक देते हैं।

सांभर / करी

करी सूप, दाल या सांभर जैसे चीज़ो में उसमें पड़ी सब्ज़िया, मसाले इत्यादि बहुत महत्त्वपूर्ण होते हैं। जहाँ बैक साइड (12 -2) लाइट और टिल्टेड ओवरहेड एंगल इस सांभर में पड़ी सब्ज़ियों और तड़के को भली भाति दिखाते हैं, वही पिक्चर और प्रॉप्स के वार्म टोन्स उसे कम्फर्ट फूड का लुक देते हैं।

चावल

चावल और उससे बने व्यंजन जैसे पुलाव, बिरयानी इत्यादि में चावल का खूबसूरती से खिला होना अनिवार्य है। ऐसे शॉट्स लेते समय उसमें पड़ी कुछ सब्ज़ियाँ, बड़ी या मीट पीसेज को अलग कर लें और ऊपर से रखें। बैक लाइट न सिर्फ पड़ी सब्ज़ियों की पारदर्शिता को दिखाती है बल्कि चावल के दानों को भी उभार देती है। जहाँ कंट्रास्ट रंग का नैपकिन सब्जेक्ट को नया आयाम देता है वहीं नीचे रखी प्रिंटेड कागज़ की बैकग्राउंड एक खूबसूरत मेज़पोश का लुक देती है।

कच्ची सब्ज़िया / फल

फूड फोटोग्राफी के अंतर्गत आप रोज़मर्रा की सब्ज़ियाँ फल इत्यादि को भी कलात्मक ढंग से प्रयोग कर उसे क्रिएटिव बना सकते हैं। शकरकंदी और टमाटर के यह दोनों शॉट्स इसका उदहारण हैं। क्रिएटिव लाइट, प्रॉप्स और बैकग्राउंड ऐसे शूट्स में बहुत महत्त्वपूर्ण होते हैं और इनके सही चयन से साधारण सी दिखने वाली वास्तु भी असाधारण लगने लगती है।

कुछ अन्य टिप्स

- बैक और बैक साइड लाइट का प्रयोग करते समय अपोजिट तरफ से एक सॉफ्ट एक्स्ट्रा लाइट या रिफ्लेक्टर का प्रयोग करके आगे की तरफ को सामान रूप से ब्राइट कर शैडोज़ को भी कटा जाता है।
- लाइट को सॉफ्ट करने के लिए डिफ्यूजर या सफ़ेद हलके कागज़ का उपयोग करें।
- फूड की चमक बरक़रार रखने के लिए उसपे पानी या आयल का ब्रश करें।
- हरी पत्तियों को सदैव बर्फ के पानी में रखें और फाइनल शॉट लेते समय ही लगाए।

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 मई 2020 से 5 जून 2020

जब लोग मुझसे पूछते हैं कि मैं कौन सा उपकरण इस्तेमाल करता हूँ, मैं उन्हें बताता हूँ - मेरी आँखें। - अनसल एडम

नजर और नजरिए का खेल है फोटोग्राफी

अतुल हुंडू

लॉकडाउन ने हम सभी की ज़िंदगी प्रभावित किया है। रोज़ की व्यस्त दिनचर्या से हट कर आज हमारे पास बहुत सा खाली समय है जिसका प्रयोग हम अपने शौक पूरा करने के लिए भी कर रहे हैं। फोटोग्राफी मेरे जीवन का अभिन्न हिस्सा रही है। आजकल भी मैं दिन का बहुत सा समय फोटोग्राफी से जुड़े क्रियाकलापों में गुज़रता हूँ। घर के अंदर या आसपास की तस्वीरें लेने के अलावा कुछ समय फोटोग्राफी की तकनीकी जानकारी को बढ़ाने और बहुत सा समय इसके कलात्मक पक्ष को समझने में गुज़ार रहा हूँ। फोटोग्राफी से जुड़े दिग्गजों की तस्वीरें देखने व उनके लेख पढ़ने के अलावा विभिन्न सोशल मीडिया माध्यमों में देश-विदेश के समकालीन फोटोग्राफरों के व्याख्यान भी सुने। सवाल-जवाब के दौर में उनसे सवाल करने व उनके नज़रिये को समझने का मौका भी मिला। इस पूरी प्रक्रिया ने दिमाग पर छाई धुंध को साफ करने में मदद की।

एक बात जो पूरी तरह से समझ आ गई वह है "फोटोग्राफी नज़र और नज़रिए का खेल है"। हर किसी की नज़र और नज़रिया यानी देखने का तरीका दूसरे से अलग है। अगर दो लोग किसी चीज़ को अलग-अलग तरह में देखते और उसके बारे में नज़रिया रखते है तो एक ही विषय पर दो लोगों द्वारा ली गई तस्वीरे एक जैसी कैसे हो सकती है। वैचारिक परिवर्तन के इस दौर में ली गई कुछ तस्वीरें साझा कर रहा हूँ। इनमें से कुछ मेरे 'होम स्वीट होम' सीरीज का भाग है तो कुछ धूप-छांव के प्रभाव से उत्पन्न ज्यामितीय आकारों पर आधारित हैं। सूखी पत्तियों में छुपे आकारों को ढूंढ कर भी अभिव्यक्ति का जरिया बनाया गया है। पेशे से फ़ोटो पत्रकार रहा हूँ तो कुछ तस्वीरें कॅरोना विषय से भी जुड़ी है।

कोरोना

सूखी पत्तियाँ

होम स्वीट होम

धूप-छांव

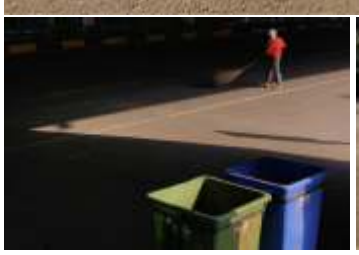

मोटीवेटेड लाईट

मोटीवेटेड लाईट क्या होती है इसकी उपयोगिता के बारे में बता रहे हैं जाने माने फोटोग्राफर

- आर. प्रसन्ना

लाइटिंग अपने आप में एक कला है। अच्छी लाइटिंग फोटोग्राफ की खूबसूरती अलग ही स्तर पर ले जाती है। इस माह के अंक में हम कुछ अन्य लाइटिंग टर्म के बारे में बात करेंगे जो कि अमूमन प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स द्वारा प्रयोग किए जाते हैं। कहते हैं कि प्रोफेशनल फोटोग्राफी में केवल भाग्य के अच्छे होने से कुछ नहीं होता, यह केवल प्री प्लानिंग और कस्टमर की उम्मीदों को पूरा करने के बारे में है। कई ऐसी चीजें हैं जिससे शूट गलत हो सकते हैं और एक गुणवान प्रोफेशनल फोटोग्राफर को हर बात का ध्यान रखना होगा ताकि शॉट परिपक्व रूप से कैप्चर हो।

उदाहरण के तौर पर मैं आपको कुछ तस्वीरें देता हूं।

इन शॉट पर आप देख सकते हैं कि यहां पर एक किस्म का लाइटिंग पैटर्न फॉलो हो रहा है। पहली तस्वीर है तमिल फिल्म इंडस्ट्री के प्रसिद्ध संगीत निर्देशक की, कॉन्सेप्ट यह था कि संगीतकार शाम के वक्त खिड़की से आती हुई हल्की सी सूर्य की किरण में एंकातपन का लुत्फ उठा रहा है। लेकिन कुछ कारणवश देरी हुई और शूट रात में शुरू हुआ। बाहर अंधेरा था और कुछ दिखाई नहीं दे रहा था, लेकिन तस्वीर कुछ इस तरह से लेनी थी कि शाम की रोशनी लगे। मैंने तुरंत दिमाग दौड़ाया और खिड़कियों पर गेटवे पेपर लगा दिया व खिड़की के पीछे से हल्की सी रोशनी दी, यह बिलकुल शाम का नजारा लगा रहा था। क्लाइंट बेहद खुश था और हमने जैसा सोचा था वैसा ही रिजल्ट मिला।

यह एक किस्सा है जहां त्वरित सोच और प्लान बी ने प्रोफशेनल फोटोग्राफी की मदद की। इस प्रकार की लाइट को मोटिवेटिड लाइट कहते हैं।

मोटिवेटिड लाइट यानी जब सीन में प्रयोग हो रही लाइट प्राकृतिक महसूस हो। मोटिवेटिड लाइट और प्रैक्टिकल लाइटिंग में यह फर्क है कि मोटिवेटिड लाइटिंग प्रैक्टिकल लाइट की जगह लेकर और बेहतर बनाती है।

कुछ और बातों को भी ध्यान में रखने की जरूरत है।

मोटिवेटिड लाइटिंग का जरिया सीन में पहले ही निर्धारित कर दीजिए प्रोडक्शन शेड्यूल में ही। यदि आपका मोटिवेटिड सोर्स खिड़की है और शूट शाम को होता है जबकि स्टोरी टाइम में इसे दिन का दिखाना है तो आप लाइटिंग जेल को बढ़ा व बदल सकते हैं ताकि आपका समय मैच हो जाए।

दूसरी तस्वीर में आप देख सकते हैं कि एक युवा जोड़ी खूबसूरत शाम का लुत्फ उठा रही है। यह एक फिल्म के प्रोमो के लिए शूट किया गया था और हमें आउटडोर शूटिंग करनी थी, लेकिन तेज बारिश के चलते शूटिंग इंडोर ही करनी पड़ी। मैंने प्राकृतिक सीन के जैसे ही लाइटिंग स्कीम का उपयोग किया है जिसमें सूर्य की रोशनी व महौल का उजाला हमें बनाना पड़ा। इस प्रकार के लाइटिंग सेटअप में आपको ध्यान रखना होगा कि आपके पास सही जेल हैं जिससे रंग के तापमान को ठीक किया जा सके मोटिवेशन के सोर्स को मैच करने के लिए।

यह आवश्यक है कि आपकी लाइट सोर्स जैसी ही दिखे। यदि मोटिवेशनल मूनलाइट है और अपकी लाइट 5600के पर हार्ड लाइट दे रही है तो बात नहीं बनेगी।

उदाहरण के तौर पर तीसरे सीन को देखिए। आप देख सकते हैं कि एक कपल झील के पास नजारे का आनंद ले रहा है। मैंने एलईई नीली लाइट फिल्टर का प्रयोग किया है ओवरहेड लाइट पर ताकि असल वातावरण दिखे, सब्जेक्ट के लिए मैंने कोई फिल्टर का प्रयोग नहीं किया।

आपसे अगले अंक में मुलाकात होगी। क्लिक करते रहिए।

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 मई 2020 से 5 जून 2020

नई चीजों को आम बनाना और आम चीजों को रोचक बनाना फोटोग्राफी की सबसे बढ़ी ताकत है। - विलियम ठाकरे

जीत जायेंगे हम

बड़ी सफलता पाने के लिए खुद को क्या करना पड़ेगा? इसी फलसफे को बताता आनन्द कृष्ण लाल का आलेख

सच में जीत जायेंगे यदि हम यदि हम अब एक जैसा सोचें और ऐसा सहयोग करें जो सबके लिए सुरक्षित हो और किसी को नुकसान न पहुंचे। इस महामारी के समय में लापरवाही एकदम ठीक नहीं। जो कुछ भी आधिकारिक तौर पर बताया जा रहा वो हम सब समझते हैं और भली-भांति पालन भी कर रहे हैं। बहुत से विचार, सूचनाएं और सलाह हम सबको सोशल मीडिया के माध्यम से मिल रही हैं परन्तु उन पर आँख बंद करके विश्वास करने की आवश्यकता नहीं है। क्यूंकि तमाम तरह की सूचनाएं और जानकारी मिलने से हम सही और गलत में फर्क नहीं कर पाते और नतीजा होता है कि हम मानसिक तौर पर कंफ्यूज हो जाते हैं और कहीं न कहीं तनाव का शिकार हो जाते हैं। इस तनाव के कारण तमाम तरह की बीमारियां पाल लेते हैं। ये मान कर चलिए की सबको संयम से काम लेना है, थोड़ा समय ज़रूर लगेगा लेकिन सब ठीक हो जायेगा। पर हाँ इस दिमाग का क्या किया जाए जो अक्सर कुछ-कुछ नया सुन कर या जान कर नेगेटिव विचार ले आता है। सबसे आवश्यक

है इस महामारी के समय में सुरक्षित रहना और अपने घर परिवार को सुरक्षित रखना। और ऐसा हम तभी कर सकते हैं जब दिमाग संतुलित होगा। यह सच बात है कि सभी के काम-धंधे पर असर पड़ा है। कितना सारा काम अब नहीं हो पा रहा है और पहले से निर्धारित बहुत सा काम अनिश्चित काल के लिए टल गया है। कमाई का जरिया बंद है पैसे की आवा-जाही बंद है। अब समय ऐसा नहीं है कि इस बात का हिसाब किया जाए कि कितना नुकसान हो गया है और कितना होने वाला है। बल्कि इस महामारी के चलते ये निश्चित करना है कि हम हर हाल में ज़िंदा रहें। इस साल या इस समय में यही बहुत बड़ी कमाई है कि हम स्वस्थ और जीवित हैं। हमारे परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित और अच्छे से हैं। जैसा कि पिछले लेख में मैंने बताया था कि इस समय को कैसे बिताया जाए। उसी को समझ कर अच्छे से पालन किया जाए तो चिंता दूर रहेगी।

सबसे ज़रूरी है शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना। ये काम थोड़ा सा कठिन ज़रूर है परन्तु असंभव नहीं है। क्यूंकि लॉकडाउन के कारण लगभग सभी की दिनचर्या बदल सी गयी है। कोई कब सो रहा है, कब उठ रहा है, क्या और कब खा रहा है इन अब बातों में पहले से तय दिनचर्या की तरह सब कुछ नहीं हो पा रहा है। इसी अनिश्चितता के दौर में हमें अपने ऊपर संयम रखना बहुत ज़रूरी है।

फिटनेस / योग एवं स्वस्थ सादा और पौष्टिक भोजन ग्रहण करना आवश्यक है। आपकी नज़र में यदि आज का समय अच्छा नहीं और पहले का अच्छा था तो जान लीजिये कि जब अच्छा समय नहीं रहा तो बुरा समय भी चला जायेगा। हम सबको बस धैर्य रखना है। बस ये समझिये कि इस बुरे समय ने हमें बहुत कुछ सिखा दिया। ये सिखा दिया कि जीवन जीने के लिए वैसा ही आवश्यक नहीं है जैसा कि हम समझते थे बल्कि सादे तरीके से और बिना हाय तौबा किये एक अच्छा जीवन बिताया जा सकता है। ये भी सिखाया कि जीवन कि प्राथमिकता स्वस्थ और सुरक्षित रहना है न कि ज़माने कि चमक-दमक से प्रभावित हो कर अनिश्चित दिशा में दौड़ लगाना है। विश्व में एक से एक पैसे और प्रतिष्ठा वाले लोग इस महामारी के चलते मजबूर हो गए और जीवन भर कमाई गयी सारी शान-औ-शौकत भी ज़िंदा रहने के लिए काम नहीं आ रही है। अपने और अपने परिवार का ध्यान रखिये, हर बात में धैर्य रखें, मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें। दूसरों से दूरियां बनाये रखें और कोशिश करें कि अपनी इम्युनिटी को बढ़ाएं। आपका जीवन आपके परिवार के लिए बहुत कीमती है, इसे सुरक्षित रखें।

टेमरॉन 70-180mm F/2.8 Di III VXD (मॉडल A056)

सोनी के ई-माउंट फुलफ्रेम मिररलेस कैमरे के लिए

कैमरा लेंस बनाने वाली दुनिया की अग्रणी कंपनी में से एक टेमरॉन ने एक नए लेंस को लॉच करने की घोषणा की है। इसके तहत वह सोनी के ई-माउंट फुल फ्रेम मिररलेस कैमरे के लिए 70-180 मिमी F/2.8 Di III VXD (मॉडल A056) का बड़ा आपर्चर टेलीफोटो जूम लेंस लॉच करेगा।

लॉन्च शेड्यूल 14 मई, 2020 को है। हालांकि, COVID-19 के प्रसार के कारण रिलीज की तारीख या उत्पाद आपूर्ति कार्यक्रम में देरी हो सकती है।

70-180 मिमी एफ / 2.8 में 67 मिमी फिल्टर व्यास के साथ एक कॉम्पैक्ट और हल्के वजन वाला डिज़ाइन है, जो टेमरॉन के अत्यधिक लोकप्रिय 17-28 मिमी एफ / 2.8 (मॉडल A046) और 28-75 मिमी एफ / 2.8 (मॉडल A036) के साथ है। ऑप्टिकल निर्माण में कई विशेष लेंस तत्व शामिल हैं। इससे लेंस की पिक्चर क्वालिटी बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। इसकी बहुत छोटी 0.85 मी (33.5 इंच) एमओडी (न्यूनतम वस्तु दूरी) समग्र बहुमुखी प्रतिभा का विस्तार करती है।

लेंस टेमरॉन के नए विकसित VXD (वॉयस-कॉइल एक्सट्रीम-टॉर्क ड्राइव) लाइनर मोटर फोकस तंत्र का इस्तेमाल करता है जो ऑटोफोकस ड्राइव का उत्पादन करता है जो पहले से कहीं ज्यादा शांत और तेज है।

इसके अतिरिक्त, एक फ्लोटिंग सिस्टम का उपयोग किया गया है जिससे दूर से भी अच्छे परिणाम हासिल किए जा सके। इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोल के जरिए एक साथ दो VXD यूनिट का इस्तेमाल करके दूर से और पास से साफ और शार्प तस्वीर ली जा सकती हैं।

इसके अन्य फीचर शूटिंग के अनुभव को और भी ज्यादा बेहतर बना देते हैं। उसमें, मौसम सुरक्षा के लिए नमी-प्रतिरोधी निर्माण और आसान रखरखाव के लिए फ्लोरीन कोटिंग शामिल हैं। इसके अलावा, 70-180 मिमी एफ / 2.8 फास्ट हाइब्रिड एएफ और आई एएफ सहित विभिन्न कैमरा-विशिष्ट सुविधाओं के साथ पूरी तरह से संगत है।

"बड़े एपर्चर जूम लेंस को उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने" की अवधारणा के तहत विकसित, 70-180mm F/2.8 उपयोगकर्ताओं को पूर्ण पोर्ट्रेट-टू-टेलीफोटो लेंस रेंज कवरेज प्रदान करता है। यह नया मॉडल 17-28mm F/2.8 Di III RXD (मॉडल A046) और 28-75mm F/2.8 Di III RXD (मॉडल A036) श्रंखला से जुड़ता है और फुलफ्रेम मिररलेस कैमरों के लिए टेमरॉन के कुल तीन F/2.8 जूम लेंस की Holy Trinity को पूरा करता है। **इसकी MRP 99,900/- है।**

करोना संकट : सुझाव एवं विचार

दोस्तों उम्मीद है कि हम सब इस लॉकडाउन के समय में अपने अपने परिवार के साथ स्वस्थ होंगे। इस लॉकडाउन ने हमलोग को कुछ ऐसा समय प्रदान किया है जैसा अब तक हमलोग को कभी नहीं मिल पाया आजकल जितना अच्छा समय हमलोग अपने माता पिता बीवी और बच्चों के साथ व्यतीत कर रहे हैं इतना पहले हमलोग कभी नहीं कर पाए और शायद आगे भी ऐसा नहीं कर पाएंगे। हमलोग को अपने बचपन के बाद पहली बार अपने परिवार के साथ इत्मीनान से बैठने और उनके दिल के हाल जानने का मौका मिला है।

परंतु हमलोग के कुछ फोटोग्राफर भाईयों का कहना है कि इस लॉकडाउन के कारण फोटोग्राफर भाइयों के लिए बहुत बड़ा आर्थिक संकट का दौर आ गया है पर ये मेरा मानना है कि हम फोटोग्राफर तो ऐसे प्रोफेशन में हैं जिसमें हमलोग हमेशा आर्थिक संकट से जूझने की तैयारी रखते हैं क्योंकि सब फोटोग्राफर भाईयों को पता होता है कि साल में सीजन ज्यादा से ज्यादा 50-60 दिन का होता है और हमलोग उतने दिन में ही कमा कर पूरे साल का इंतजाम करते हैं और हमलोग तो इसके लिए भी तैयारी रखते हैं कि अगर अगला सीजन न भी चले तो हमलोग के परिवार को कोई भी दिक्कत न आए इसलिए फोटोग्राफर भाई इस कोरोना काल में ज्यादा दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

कुछ बंधु कहना शुरू कर देंगे कि बड़े फोटोग्राफर हैं इसलिए आपलोग इस तरह की बात कर सकते है पर बन्धुओं हर व्यवसायी बड़ा हो या छोटा उसके खर्चे उसी हिसाब से होते हैं अपने व्यवसाय में मुख्यतः 3 स्तर के लोग है 1) लैब ओनर, 2) स्टूडियो वाले, 3) ट्रांसफर काम करने वाले इस स्तर में डिज़ाइनर, वीडियो एडिटर फ़ोटो वीडियो शूटर सब आते हैं।

अगर बात की जाए तो लैब ओनर के ऊपर बैंक कर्जों का बड़ा बोझ होता है साथ ही उनके ऊपर स्टाफ की सैलरी का बोझ भी ज्यादा होता है दूसरे स्टूडियो वाले इनके ऊपर बैंक के कर्ज थोड़ा कम होते है 1 या 2 स्टाफ की सैलरी देखनी पड़ती है तीसरे स्तर के जो भाई है वो ज्यादातर स्वयं ही काम करते है तो इनके ऊपर खर्च के बोझ बाकी दोनों से अपेक्षाकृत कम होते हैं घर के खर्च और दुकान किराया तो सबके अपने-अपने स्तर के होते ही है तो इससे समझ में आता है कि जिसकी जितनी आमदनी उसके उतने ही खर्च तो हर व्यवसायी अपने स्तर के हिसाब से ही अपनी प्लानिंग करता है।

हमलोग को नकारात्मक बातों को दिमाग में ला कर जीवन के इस अमूल्य समय को बर्बाद करने की जगह कुछ नया सीखने या कुछ सार्थक करने की कोशिश करें तो यह खाली समय हमलोग अपने-अपने जीवन के सबसे अच्छे समय में बदल सकते हैं इस लॉकडाउन के समय में कई कम्पनियों और फोटोग्राफिक संस्थाओं द्वारा फ्री ऑनलाइन क्लासेज का आयोजन किया जा रहा है जिसके माध्यम से हम सब अपने-अपने स्किल को बढ़ा सकते हैं जिसके फलस्वरूप जब हम लोग अपने कार्य में वापस पहुंचेंगे तो अपने कार्य को अधिक कुशलतापूर्वक कर पाएंगे।

सौरभ मिश्रा, कानपुर जोन प्रभारी,
फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश

कोरोना के कोहराम में शादियां थमी, करोड़ों का व्यापार चौपट

क्या इंसान और क्या जानवर। कोविड 19 कोरोना वायरस के कहर ने किसी को नही बक्शा है। हर किसी का हाल बेहाल है। कोरोना की कमर तोड़ने को लागू भारत वर्ष में तीसरे लॉक डाउन फोटोग्राफी व्यवसाय से जुड़े लाखों परिवारों में दो जून की रोटी के लाले पड गये। जिन शादी बारात आदि में चंद दिनों में इन सबकी कमाई होती थी वे इस बार कोरोना के कोहराम में भेंट चढ़ गये। देश व समाज की हिफाजत के लिए ही लागू किया गया लॉक डाउन मुसीबत बन गया है, सबसे बड़ी चिंता दुकान व घर का किराया, स्कूल की किताबें व महंगी फीस, राशन व बिजली का बिल, बैंक की क़िस्त आदि बहुत से खर्चे है और आमदनी जीरो, स्टूडियो के अतिरिक्त खर्च, प्रिंटर की इंक सूख जाना, इनवर्टर व यूपीएस बैटरी आदि का खराब हो जाना। बेचारा इसी चिन्ता में खोया रहता है।

अरविन्द आनन्द, बरेली जोन प्रभारी,
फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश

इस समय पूरी दुनिया कॅरोना जैसे महामारी से जूझ रही है जिसमें हमारा भारत भी शामिल है आने वाले समय में हमारे देश में आर्थिक स्थति बहुत ही खराब होने वाली है। जिसमें हमारा फोटोग्राफी का व्यवसाय भी अछूता नहीं रह जायेगा। इस संकट की घड़ी में हम सभी फोटोग्राफर भाइयों को संयम बनाये रखने की जरूरत है, साथ ही अब हम सब भाइयों को एकजुट होकर इस संकट की घड़ी में एक दूसरे का साथ देना चाहिए। सामाजिक तौर पर फोटोग्राफर भी इसी समाज का हिस्सा हैं। मैं चाहूंगा कि जो एक्सपोज़र्स बड़े-बड़े फोटोग्राफर्स के यहाँ काम करते हैं तो उन सभी बड़े फोटोग्राफर्स को ऐसे सभी एक्सपोज़र्स की मदद के लिए आगे आना चाहिए और इस संकट की घड़ी में उनका साथ देना चाहिए।

संजू गौतम, मुरादाबाद प्रभारी, फोटोग्राफर एसोसिएशन उ.प्र.

कोविड 19 वायरस और हमारे फोटोग्राफर

कोविड 19 वायरस को आज देश का बच्चा-बच्चा कोरोना के नाम से परिचित हो गया है। विश्व व्यापी भयंकर त्रासदी को देखते हुए देश के राज नेताओं ने तत्काल विचार विमर्श कर 25 मार्च 2020 को देश में 'लॉक डाउन' की उद्घोषणा कर सुरक्षा का सर्वोतम उपाय अपनाया। तीसरा चरण 17 मई तक बाजार बन्दी के बाद भी 6 माह तक सामान्य स्थिति की आशा करनी बेईमानी होगी। ऐसी परिस्थितियों में फोटोग्राफी क्षेत्र को हजारों करोड़ का नुकसान उठाना पड़ेगा। फिल्म उद्योग से जुड़े फोटोग्राफरों के साथ स्टूडियो संचालक, वेडिंग फोटोग्राफर अथवा अन्य क्षेत्र के फोटोग्राफरों को भविष्य में होने बाले बदलाव का सामना करते हुए अपने को भी परिस्थितियों के अनुरूप ढालना पड़ेगा। माथे पर चिंता की लकीरें लेकर घरों में कैद फोटोग्राफर अपने व्यवसाय के भविष्य को लेकर चिंतित है।

सरकारी प्रयास के बीच फोटोग्राफर : सरकार का बचाव का प्रयास देश की जनसंख्या के सामने बौने साबित हो रहे है। आज पूरा देश विगत 45 दिनों से अधिक समय से बन्द है, पर वायरस के चपेट में आये मरीजों की संख्या में लगातार तेजी से बढ़ोत्तरी होती ही जा रही है। सरकार हम सभी की 24 घन्टे चौकीदारी नहीं करेगी और न ही कर पाएगी। अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए एक तारीख के बाद लॉक डाउन खुलना निश्चित ही है। ऐसे में सोशल डिस्टैंसिंग ही कारगर उपाय साबित होगा। नतीजतन सभी को जीवन शैली में बहुत बड़ा बदलाव करना पड़ेगा। इन हालातों में फोटोग्राफर अपने को कहाँ पाता है। यही प्रश्न विचारणीय है। किराना, मेडिकल, खेती आदि व्यवसाय आवश्यक श्रेणी में आते है। फोटोग्राफी के अलावा कुछ अन्य व्यवसाय को विलासता की दृष्टि से देखा जाता है। ऐसा मेरा मानना है।

बदलती फोटोग्राफी और फोटोग्राफर : सन् 1980 तक फोटोग्राफर 120 एमएम फिल्म कैमरों से फोटोग्राफी के शौकीन लोगों की शादियों में कुछ फोटो ब्लैक एण्ड व्हाइट बनाकर देते थे। स्टूडियो में भी एकल या पारिवारिक फोटो का प्रचलन था। 135 एमएम रोल के कैमरो ने फोटोग्राफी क्षेत्र में तमाम बदलाव के साथ इस कार्य में रोजगार के अवसर पैदा कर दिये। QSS फोटो लैब ने नये आयाम खोल दिये। एकाएक फोटोग्राफरों की संख्या में कई गुना बढ़ोत्तरी दिखाई देने लगी। समय के पंख ऐसे उड़े कि आज देश में फोटोग्राफी व्यवसाय में करोडों लोग अपना जीवन यापन कर रहे है। आज के डिजिटल फोटोग्राफी दौर में आसानी के साथ क्रिएटिविटी भरपूर करने का मौका मिल रहा है। इसी अन्धी दौड़ व बाजार में लॉच नई टेक्नोलॉजी के कैमरों की चाहत में फोटोग्राफरों ने अपनी गाढ़ी कमाई का बड़ा हिस्सा खर्च कर रखा है।

कंगाली के हालात, कैसे हो गुजारा : अप्रैल, मई व जून का महीना फोटोग्राफरों के लिए खुशियाँ लेकर आने वाला था। इन महीनों में सहालग के तमाम शुभ मूहर्त थे। इसी उम्मीद के सहारे फरवरी माह में कैमरों की बिक्री रिकार्ड तोड़ हुई। उम्मीद के विपरीत ऊँट करवट बैठ गया, तमाम के समक्ष रोटी-दाल का संकट खड़ा हो गया। प्रोडक्शन हाउस, स्टूडियो, आउटडोर फोटोग्राफर के अलावा कैमरा आपरेटर जल्द तरक्की की होड़ में भारी कर्ज तले दबे हुए है। खासकर वेडिंग फोटोग्राफरों में कैमरों का मोह दिन दूनी रात चौगनी के हिसाब से बढ़ता है। आज कोविड 19 वायरस की प्रलयकारी प्रहार में स्थिति सबसे अधिक खराब इन्ही वेडिंग फोटोग्राफरों की है। कमाई का बड़ा हिस्सा EMI के रूप में जा रही है। समस्याऐं सूरसा के मुँह की भाँति आकर खड़ी हो गई है।

समस्या, विश्वास व निदान : समस्या का उजागर उपरोक्त बखूबी से किया गया हैं। अब सचेत व सचेतक दोनों की आवश्यकता है। असंगठित होने का नतीजा बार-बार महसूस करते रहते है, एकत्र होकर एक मंच पर आने की तमन्ना दिल में कसमसा कर रह जाती है। एक विश्वास की किरण पंजाब व मुम्बई की फोटोग्राफर एसोसिएशन ने जगाई है। इन राज्यों के रजिस्टर्ड फोटोग्राफर्स की उत्तर प्रदेश के फोटोग्राफरों से आर्थिक स्थिति बेहतर है। प्रदेश में लाखों लोग फोटोग्राफी से आजीविका चला रहे है, पर इनके पास कोई मजबूत संगठन नहीं है। वर्तमान हालात ऐसे है, भविष्य के महीनों का आकंलन करने पर चित्रण और भयावह दिखाई दे रहा है। अब उम्मीदों का मंच से ही निदान सम्भव हो सकता है। आओ एक दूसरे का हाथ पकड़ कर अपने संगठन को मजबूत कर समस्याओं को पैरों तले कुचल कर आगे की ओर अग्रसर हो चले।

आलोक शुक्ल, कन्नौज, कानपुर मण्डल प्रभारी,
फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश

आप को अवगत करना है कि देश कोरोना जैसी महामारी से जूझ रहा है वहाँ एक वर्ग ऐसा है जिस पर कोई भी सरकार ध्यान नहीं दे रही और वो है फोटोग्राफर अब समय है के हम एकजुट हो कर फोटोग्राफर हित के लिए प्रयासरत हों जिससे आने वाले समय मे फोटोग्राफी व्यवसाय में अनुकूल परिस्थिति बन सके। धन्यवाद!

राहुल, ज़िला प्रभारी अमरोहा,
फोटोग्राफर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश

अगर मार्केट खुलता भी है तो भी घर से बाहर ना जाएं क्योंकि वास्तविक स्थिति बहुत ज्यादा खराब है। 10% भी आंकड़े स्पष्ट नहीं है। मई और जून पूरा घर पर ही रहें और आगे 1 साल तक बहुत ज्यादा आप अपनी और परिवार की सेफ्टी करें। अपना ध्यान खुद रखें, गवर्नमेंट के पास भी इसका कोई उपाय नहीं है, हालात बहुत खराब है। अस्पतालों में व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है जो कर रहे हैं, वह खुद बहुत डरे हुए हैं। अस्पतालों में पहुंचने वाला सामान्य पेशेंट भी कोरोना ग्रस्त हो रहा है। अपनी जान खुद बचाओ, स्थिति जितनी बताई जा रही है उससे कई गुना ज्यादा गम्भीर हैं, इस बात को बिल्कुल हल्के में ना लें। आपका कोई करीबी चाह कर भी आपकी मदद नहीं कर पाएगा, आपकी जमा पूंजी/सारा पैसा धरा का धरा रह जाएगा कोरोना होने पर कुछ भी काम नहीं आएगा। याद रहे, सच्चाई और दवाई दोनों बहुत कड़वी होती है, लेकिन स्वीकार करने में ही समझदारी है। इस बात से ही अंदाजा लगा लीजिए कि 135 करोड़ की आबादी है अपने देश की अगर रोजाना 1 लाख टेस्ट भी होंगे... तो आखिरी व्यक्ति का नंबर 37 साल बाद आएगा। यह अब हमारे जीवन का एक हिस्सा है जिसका असर कई वर्षों तक देखने को मिलेगा जैसे एड्स, कैंसर, पोलियो, टीबी और अब कोरोना। इन सभी बीमारियों में कोरोना संभवतः सबसे ज्यादा भीषण होगा। घर में रहिये हालात का जायजा लीजिए भेड़ चाल न चलिये अपना दिमाग लगाइए।

आनंद वर्मा, अध्यक्ष, लखनऊ फोटोग्राफर एसोसिएशन

17 मई, इंतज़ार ना करें

सरकार एक निश्चित समय तक ही लॉकडाउन रख सकती है, धीरे-धीरे लॉकडाउन खत्म हो जाएगा, सरकार भी इतनी सख्ती नहीं दिखाएगी। क्योंकि, सरकार ने आपको कोरोना बीमारी के बारे में अवगत करा दिया है, सोशल डिस्टैसिंग, हैण्ड सेनिटाइजेशन इत्यादि सब समझा दिया है। बीमार होने के बाद की स्थिति भी आप लोग देश और दुनिया में देख ही रहे हैं। अब जो समझदार हैं वह आगे लंबे समय तक अपनी दिनचर्या, काम करने का तरीका समझ लें, सरकार 24 घंटे 365 दिन आपकी चौकीदारी नहीं करेगी, आपके एवं आपके परिवार का भविष्य आपके हाथ में है। लॉकडाउन खुलने के बाद सोच समझ कर घर से निकले एवं काम पर जाये... व नियमानुसार ही अपना कार्य करें। क्या लगता है आपको, 17 मई के बाद एकाएक कोरोना चला जायेगा, हम पहले की तरह जीवन जीने लगेंगे? नही, कदापि नहीं। ये वायरस अब हमारे देश और दुनिया में जड़ें जमा चुका है, हमें इसके साथ रहना सीखना पड़ेगा। कैसे? सरकार कब तक लॉक डाउन रखेगी? कब तक बाहर निकलने में पाबंदी रहेगी? हमें स्वयं इस वायरस से लड़ना पड़ेगा, अपनी जीवन शैली में बदलाव करके, अपनी इम्युनिटी स्ट्रांग करके। हमें सैकड़ों साल से चली आ रही पुरानी जीवन शैली अपनानी पड़ेगी। शुद्ध आहार लें, शुद्ध मसाले खाएं। आंवला, एलोवेरा, गिलोय, काली मिर्च, लौंग, दालचीनी, अदरक, हल्दी आदि पर निर्भर होकर एन्टी बाइटिक्स के चंगुल से खुद को आज़ाद करें। अपने भोजन में पौष्टिक आहार की मात्रा बढ़ानी होगी, फ़ास्ट फूड, पिज़्ज़ा, बर्गर, कोल्ड ड्रिंक को भूल जाएं तो बेहतर होगा। अपने आहार में दूध, दही, घी की मात्रा बढ़ानी होगी। भूल जाइए जीभ का स्वाद, तला-भुना मसालेदार, होटल वाला कचरा। कम से कम अगले 2-3 साल तक तो ये करना ही पड़ेगा। तभी हम सरवाइव कर पाएंगे। जो नहीं बदले वो खत्म हो जाएंगे। समझदार और व्यवहारिक बने और इस बात को मान कर इन पर अमल करना शुरू कर दें। जिंदगी आपकी फैसला आपका।

सुरेन्द्र कुमार वर्मा, जिला बाराबंकी प्रभारी,
फोटोग्राफर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश

मित्रो कोरोना संक्रमण के चलते वेडिंग फोटोग्राफर्स, फोटो स्टूडियो वालो का पूरा सीजन कोरोना महामारी के भेंट चढ़ गया। यह स्थिति सम्पूर्ण देश प्रदेश और विश्व मे लगभग एक समान ही है। मित्रो आगे भी 2020 में हमें कोई सुखद संम्भावनायें प्रतीत होती नहीं दिख रही। हमें लाकडाउन खुलने के पश्चात सोशल डिस्टेंस को भी फॉलो करना होगा। जो फोटोग्राफी व्यापार के लिए लाभप्रद नहीं हो सकता, क्योंकि हमारा व्यापार गैदरिंग (भीड़) में ही होता है। ऐसी स्थिति में हमें अपने व्यापार में कुछ ऐसा जोड़ लेना चाहिए जो इन दिनों और आगे भी हमारा सहयोगी बने। जो हमारे ही संसाधनों से संचालित भी हो। जैसेः- जनसुविधा केंद्र, बैंकिंग सुविधा, फोटोकापी, लेमिनेशन, गिफ्ट आइटम आदि। यह कुछ ऐसे व्यापार है जो हम बिना किसी अन्य व्यवस्था किये स्वयं और अपने स्टाफ के साथ मिलकर बड़ी आसानी से कर सकते है।

अभिषेक सक्सेना, सक्सेना फोटोग्राफर, सीतापुर

हम सब फोटोग्राफर आर्टिस्ट हैं और आर्टिस्ट बड़े स्वाभिमानी होते हैं। संकट की घड़ी में हिंदुस्तान के सारे फोटोग्राफर्स को मिलकर प्रधानमंत्री कोष में अनुदान करना चाहिए।

मो. हारून, संयुक्त सचिव,
पीलीभीत फोटोग्राफर्स एसोसिएशन

स्टूडियो न्यूज

तिमाही फोटो प्रतियोगिता

फोटोग्राफी में अपना नाम और पहचान बनाने के साथ-साथ उपहार पाने और स्टूडियो न्यूज में प्रकाशित होने का मौका। उठाइये अपना कैमरा, रचनात्मक तस्वीरें खींचे और हमें भेजें।

प्रतियोगिता की अन्तिम तिथि
28 जुलाई 2020

नियम :

1. फोटो केवल डिजिटल रूप में भेजनी है। फाईल का फार्मेट JPEG होना चाहिए।
2. फोटो कलर या B/W कोई भी हो सकती है।
3. फोटो का साइज 8x10 इंच में एवं 300 dpi की होनी चाहिए।
4. फोटो के ऊपर कोई वाटर मार्क या नाम नहीं लिखा होना चाहिए।
5. कम्पटीशन में अधिकतम 2 फोटो ही भेज सकते हैं।
6. प्रतिभागी अपनी फोटो के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा। किसी दूसरे की फोटो होने पर स्टूडियो न्यूज जिम्मेदार नहीं होगा।
7. फोटोग्राफर अपनी पासपोर्ट साइज फोटो, पूरा पता एवं फोन नम्बर अवश्य भेजें अन्यथा उनकी फोटो प्रतियोगिता में शामिल नहीं की जायेगी।

पुरस्कार
32GB पेनड्राइव

निर्णायक दल

वरिष्ठ छायाकार
अनिल रिसाल सिंह

आर्ट्स कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल
जयकृष्ण अग्रवाल

फोटो infostudionewsup@gmail.com पर मेल करें।

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 0522-4108575, ई-मेलः infostudionewsup@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in